आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, बुधवार 02 सितंबर 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 263
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

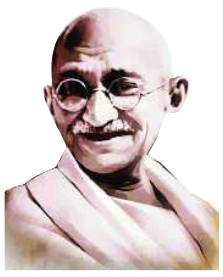

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

रानी सराय के परिंदों को मिली राहत

पेज-2

एक की जीत का असर बहुत बड़ा होता है : कनिका ढिल्लो

पेज-5

प्रॉपर्टी बाजार ने पकड़ी रफ्तार, प्लॉट खरीद में आया 12% उछाल

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- डेरेक ओ 'ब्रायन पहुंचे कोलकाता पुलिस के सामने, ऑफिस विवाद में दर्ज कराया बयान
- नेपाल में फ्लैश फ्लड से तबाही, मौतों का आंकड़ा 1,127 पहुंचा
- नेपाल में राहत-बचाव के लिए भारत की बड़ी मदद, 11 सदस्यीय टीम और 5.5 टन दवाएं रवाना
- वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल आज से शुरू, 12 सितंबर तक चलेगा
- आज भारत में लॉन्च होगा फिलिप्स का 5जी स्मार्टफोन
- चीन के बढ़ते प्रभाव को चुनौती, US-ऑस्ट्रेलिया ने पैसिफिक के लिए खोला 580 मिलियन का फंड
- बंद था सीसीटीवी, फिंगरप्रिंट से खुला राज... कश्मीरी गेट बस गैंगरेप में पुलिस के हाथ लगे अहम सबूत
- कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में लीड केस तय करने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई
- ब्रिक्स समिट में शामिल होने दिल्ली आएंगे UN महासचिव एंटोनियो गुटेरेस
- राहुल गांधी आज नासिक जाएंगे, 'संगठन सृजन अभियान' के समापन समारोह में होंगे शामिल

70-75 विधायकों के टिकट पर संकट! 'ओरछा' के बाद बड़ा सियासी संकेत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के बाद पार्टी की आगामी रणनीति को लेकर सियासी चर्चाएं तेज हो गई हैं। बैठक से निकलकर आए संकेतों ने खासतौर पर मौजूदा विधायकों के टिकट को लेकर हलचल बढ़ा दी है। सूत्रों के मुताबिक, आगामी विधानसभा चुनाव में बीजेपी बड़े स्तर पर चेहरों में बदलाव कर सकती है। सूत्रों का दावा है कि पार्टी करीब 70 से 75 मौजूदा बीजेपी विधायकों के टिकट पर कैंची चला सकती है। हालांकि, टिकट को लेकर अंतिम फैसला पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व चुनावी परिस्थितियों, सर्वे रिपोर्ट और विधायकों के प्रदर्शन के आधार पर करेगा।

इंदौर के 4 से 5 विधायकों का टिकट कटने की चर्चा-इंदौर को लेकर भी बैठक के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म है। सूत्रों के मुताबिक, इंदौर जिले में बीजेपी के करीब 4 से 5 मौजूदा विधायकों के टिकट बदले जा सकते हैं। पार्टी संगठन स्तर पर विधायकों के कामकाज, जनता से संपर्क और

इंदौर के 4-5 विधायक भी रडार पर

विधायकों को युवाओं से जुड़ने की नसीहत

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में बीजेपी ने आने वाले समय की राजनीति को लेकर संगठन और जनप्रतिनिधियों को स्पष्ट संकेत दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, बीजेपी विधायकों को युवाओं के बीच अपनी सक्रियता बढ़ाने और नई पीढ़ी से लगातार संवाद स्थापित करने की नसीहत दी गई है। पार्टी का फोकस अब केवल पारंपरिक वोट बैंक तक सीमित रहने के बजाय युवाओं को संगठन और राजनीतिक गतिविधियों से जोड़ने पर है। इसके लिए विधायकों और स्थानीय नेताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में युवाओं के साथ संवाद बढ़ाने, उनकी समस्याओं को समझने और पार्टी की नीतियों से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है।

क्षेत्र में सक्रियता को लेकर फीडबैक जुटा रहा है। अगर यह बदलाव होता है तो इंदौर की सियासत में इसका व्यापक असर देखने को मिल सकता है। हालांकि, अभी तक पार्टी की ओर से किसी विधायक का नाम सामने नहीं आया है और न ही टिकट काटने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा हुई है।

पहले से संगठन में बदलाव के संकेत

बीजेपी में हाल के दिनों में संगठनात्मक स्तर पर भी कई बदलाव देखने को मिले हैं। ऐसे में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के बाद विधायकों के टिकट में बड़े पैमाने पर बदलाव की चर्चा ने राजनीतिक अटकलों को और हवा दे दी है। हालांकि, 70-75 विधायकों और इंदौर के 4-5 विधायकों के टिकट कटने की जानकारी फिलहाल सूत्रों के हवाले से है। पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक सूची या फैसला जारी नहीं किया गया है। चुनाव नजदीक आने के साथ ही सर्वे और संगठनात्मक रिपोर्ट के आधार पर तस्वीर और स्पष्ट होने की संभावना है।

नेहरू स्टेडियम से कांग्रेस के सहानुभूति खेल में उलझी भाजपा

महापौर की सलाह - खुले मैदान में सुपर कॉरिडोर पर करें आयोजन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए नेहरू स्टेडियम किराए पर लेने के आवेदन से सियासी उठापटक मच गई है। कांग्रेस ने जहां नेहरू स्टेडियम में कार्यक्रम करना सोची-समझी रणनीति के तहत तय किया है, वहीं भाजपा ने कांग्रेस को सलाह देते हुए कहा कि सुपर कॉरिडोर के आसपास खुले मैदान में कार्यक्रम करवाएं, जहां 50 हजार लोग आसानी से शामिल हो सकें।

सहानुभूति का खेल : नेहरू स्टेडियम के माध्यम से कांग्रेस सहानुभूति का खेल खेल रही है। कांग्रेसी नेता जानते हैं कि कोर्ट का आदेश क्या है? और कांग्रेस को अनुमति मिलेगी या नहीं, फिर कांग्रेस की पहली पसंद नेहरू स्टेडियम क्यों बना हुआ है? इसके पीछे कारण नेहरू स्टेडियम से सहानुभूति का कार्ड खेलना है। अब तक कोटा, पुणे सहित अन्य शहरों में आयोजन हुए हैं। वहां कार्यक्रम को ऐन मौके पर अनुमति जारी की गई, जिससे कांग्रेस के पक्ष में सहानुभूति का माहौल तैयार हुआ और इसका लाभ कांग्रेस को मिला। यही खेल इंदौर में भी खेलने का प्रयास कांग्रेस ने शुरू कर दिया है। 50 हजार से अधिक क्षमता वाला ग्राउंड देखें वहीं, मामले में सुमित मिश्रा ने भी आयुक्त को लिखा पत्र, नेहरू स्टेडियम नहीं दिया जाए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कांग्रेस को सलाह दी है कि उन्हें ऐसा ग्राउंड देखना चाहिए, जहां 50,000 छात्र कार्यक्रम में शामिल हो सकें।

शहर के बाहर यातायात नियंत्रण आसान

यातायात पुलिस अधिकारी लाला बहादूर सिह के अनुसार शहर के बाहर होने वाले आयोजनों के दौरान यातायात कंट्रोल करना आसान होता है, जबकि शहर में कोई आयोजन होता है, आम नागरिकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अमेरिका का ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान (एजेंसी) ● अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमलों की एक लहर पूरी की है। इनमें एयर डिफेंस साइट्स, रडार सिस्टम, समुद्री ठिकाने, माइन बिछाने की क्षमता और कम्युनिकेशन साइट्स शामिल हैं।

इसके जवाब में ईरान ने जॉर्डन और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले का दावा किया है। कुवैत में भी ईरानी ड्रोन हमलों के बीच एयर डिफेंस सक्रिय की गई है, जबकि जॉर्डन ने 13 ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने का दावा किया है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिका का होर्मुज स्ट्रेट पर लगभग पूरा कंट्रोल है और ईरान की अर्थव्यवस्था ढह रही है।

ईरान का दावा- खुजस्तान में अमेरिकी मिसाइल हमले में 7 की मौत-ईरान ने दावा किया है कि खुजस्तान प्रांत में अमेरिकी मिसाइल हमले में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 घायल हुए हैं। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अमेरिका ने प्रांत में 3 जगहों को निशाना बनाया।

कम बजट, बिना प्रचार और स्टारकास्ट के 'हनुमान अंश' का 26वें दिन भी धमाका

मुंबई (एजेंसी) ● बॉक्स ऑफिस पर कुछ फिल्में ऐसी आती हैं, जो कम बजट और बड़ी स्टारकास्ट के बिना भी धमाकेदार कलेक्शन कर लेती हैं। कुछ ऐसी भी फिल्में होती हैं, जो बड़ी स्टारकास्ट और बजट के बाद भी कमाई करने में नाकामयाब रहती हैं। आज हम आपको एक ऐसी ही फिल्म के कलेक्शन के बारे में बता रहे हैं, जिसका बजट बेहद कम था और फिल्म में कोई बड़ी स्टारकास्ट भी नहीं थी, लेकिन फिर भी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है।

फिल्म 'हनुमान अंश'-दरअसल, हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, वो कोई और नहीं बल्कि 'हनुमान अंश' है। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 26 दिन हो गए हैं। हालांकि, फिल्म बिना किसी शोर-शराबे के बॉक्स ऑफिस पर आई थी। फिल्म की शुरुआत धीरे हुई,

लेकिन फिर इसकी कमाई में उछाल आता गया और अब ये फिल्म अपने बजट से कई गुना ज्यादा कमाई कर चुकी है।

नीम करोली बाबा की जिंदगी पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। करीब 2 करोड़ के बजट में फिल्म 50 करोड़ का कारोबार कर चुकी है और इस साल की सफल हिंदी फिल्मों में अपनी जगह बना ली है। दूसरे हफ्ते के बाद फिल्म को दर्शकों का अच्छा वर्ड ऑफ माउथ मिला, जिसके चलते इसके शोज बढ़ रहे हैं और यह सिनेमाघरों में यश की पैन-इंडिया फिल्म 'टॉक्सिक' को भी कड़ी टक्कर दे रही है।

टोटल कलेक्शन

इसी के साथ अगर फिल्म के टोटल कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने 26 दिनों में टोटल 51.08 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म का बजट सिर्फ 1.80 करोड़ रुपये है, लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार कमाई कर रही है।

मुख्य मार्गों पर झूल रहे हाईटेंशन तार, वाहनों से स्पार्किंग का खतरा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में मानसून का आधा सीजन बीत चुका है, लेकिन खंडवा रोड पर पश्चिमी क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और जिम्मेदार नागरिक निकायों की लापरवाही साफ देखने को मिल रही है। भंवरकुआं से तेजाजी नगर और खंडवा नाका की ओर जाने वाले व्यस्त मार्ग पर बिजली के हाई-वोल्टेज तारों और खंभों पर पेड़ों की घनी टहनियां और लताएं बुरी तरह लिपट चुकी हैं। तारों और हरियाली का यह खतरनाक जाल अब राहगीरों और स्थानीय रहवासियों के लिए गंभीर सुरक्षा जोखिम बन गया है।

बिजली विभाग हर साल मानसून की शुरुआत से पहले मेंटेनेंस के नाम पर बिजली कटौती करता है। इस दौरान तारों से टकराने वाली पेड़ों की शाखाओं की छंटाई करना प्राथमिकता में शामिल होता है। हालांकि, खंडवा रोड के इस हिस्से को देखकर स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग ने मानसून-पूर्व तैयारियों के नाम पर केवल खानापूर्ति की है।

सराफा में ज्वेलरी शॉप में लगी आग : एसी में शॉर्ट सर्किट से भड़की

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बड़ा सराफा में मंगलवार देर रात ज्वेलरी शॉप में आग लग गई। बिल्डिंग से धुआं निकलता देख लोगों ने पुलिस और दमकल को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना रात करीब 12:30 बजे की है। लोगों ने सराफा स्थित एक बिल्डिंग से धुआं निकलते देखा। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि आग मजीद पुत्र अब्दुल गफ्फार की मॉडर्न ज्वेलर्स दुकान में लगी है। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया।

आग के कारण दुकान में काफी धुआं भर गया था। फायर ब्रिगेड ने करीब 2 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग में दुकान का फर्नीचर और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह एसी में हुआ शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर सराफा बाजार के अन्य व्यापारी भी मौके पर पहुंच गए। फिलहाल आग से किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है।

महंगा दूध पीजिए... शुद्ध है या नहीं, यह मत पूछिए

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर में अब दूध 70 रुपए लीटर होने की मांग को लेकर अब दवन प्रभाव और हड़ताल का सहारा लिया जा रहा है। दूध बेचने वालों ने कीमत तय कर दी, किसान अपनी बढ़ती लागत का हिसाब बता रहे हैं और विक्रेता भी अपनी मजबूरी गिना रहे हैं। लेकिन इस पूरी कहानी में कोई एक आदमी है, जिसकी बात सबसे कम सुनी जा रही है- 'वह है आम उपभोक्ता।'

उसे बस इतना कहा जा रहा है कि अब 70 रुपए चुकाइए और दूध ले जाइए।

लेकिन कोई यह बताने को तैयार नहीं कि साहब, जो दूध आप खरीद रहे हैं, वह आखिर कितना शुद्ध है?

शहर में रोजाना करीब साढ़े पांच लाख लीटर दूध की खपत का अनुमान है, जबकि आवक करीब तीन लाख लीटर बताई जाती है। आंकड़े पूरी तरह प्रमाणित हैं या नहीं, इसकी भी जांच होनी चाहिए, लेकिन यदि यह अंतर वास्तविक है तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि बाकी दूध की आपूर्ति आखिर कहां से और किस रूप में हो रही है?

यह सवाल उठते ही असली परेशानी शुरू होती है। क्योंकि दूध महंगा करने के लिए बैठकें हो सकती हैं, आंदोलन की चेतावनी दी जा सकती है, सप्लाई रोकने की बात हो सकती है, लेकिन दूध की शुद्धता की गारंटी देने वाला शायद कोई नहीं है।

किसानों की परेशानी अपनी

जगह बिल्कुल सही है। पशु आहार महंगा है, चारा महंगा है, इलाज महंगा है और परिवहन भी। किसान को उसकी लागत का उचित मूल्य मिलना ही चाहिए। लेकिन फिर सवाल यह है कि हर बढ़ती कीमत का अंतिम बोझ केवल उस परिवार पर ही क्यों डाला जाए, जो पहले से महंगाई के बोझ तले दबा हुआ है?

और दूसरी बात... यदि दूध 70 रुपए लीटर बिकेगा तो उपभोक्ता को यह भरोसा भी तो मिलना चाहिए कि वह दूध 'वास्तव में शुद्ध है।'

इंदौर में दूध और दुग्ध उत्पादों में मिलावट की शिकायतें कोई नई बात नहीं हैं। पानी मिलाने से लेकर पावडर और अन्य पदार्थों के उपयोग तक के आरोप सामने आते रहे हैं। इन आरोपों की सच्चाई जांच के बिना तय नहीं की जा सकती। मगर यही तो सवाल है—'जांच आखिर हो कहां रही है?'

कितने दूध के सैंपल लिए गए? कितनों की रिपोर्ट आई? कितनों पर कार्रवाई हुई? यह जानकारी भी जनता को मिलनी चाहिए। मजे की बात देखिए। दूध का दाम बढ़ाने पर पूरा तंत्र सक्रिय हो जाता है। बैठकें होती हैं, निर्णय होते हैं और तारीख तय हो जाती है। लेकिन दूध की गुणवत्ता जांचने की बात आते ही गेंद प्रशासन के पाले में डाल दी जाती है।

नगर निगम की जिम्मेदारी अलग, खाद्य सुरक्षा विभाग की जिम्मेदारी अलग और प्रशासन की जिम्मेदारी अलग। लेकिन उपभोक्ता की जिम्मेदारी क्या है? शायद सिर्फ इतनी कि वह पैसा दे और सवाल न पूछे।

इस बीच हमारे जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी कम दिलचस्प नहीं है। शकर महंगी हुई तो आम आदमी ने कहा- महंगाई बढ़ रही है। अब दूध महंगा हुआ तो फिर वही सवाल खड़ा है। मगर जनता की थाली और रसोई से जुड़े इन मुद्दों पर आवाज उठाने वाला आखिर कौन है?

नेताओं को शायद दूध खरीदने के लिए सुबह दुकान पर खड़ा नहीं होना पड़ता। महीने का बजट बनाते समय यह भी नहीं सोचना पड़ता कि बच्चों का दूध कम करें या घर का कोई दूसरा खर्च। लेकिन मध्यमवर्गीय परिवार सोच रहा है। पहले शकर महंगी हुई। अब दूध महंगा हुआ। कल कोई दूसरी जरूरी चीज महंगी होगी। और हर बार कहा जाएगा कि लागत बढ़ गई है।

सबसे बड़ी बात यह कि इस बहस में किसान और उपभोक्ता को आमने-सामने खड़ा करने की जरूरत नहीं है। किसान को उचित मूल्य मिलना चाहिए और उपभोक्ता को शुद्ध दूध। दोनों की मांग जायज है।

अब फैसला प्रशासन को करना है। शहर में दूध की वास्तविक आवक कितनी है? खपत कितनी है? गुणवत्ता की जांच कितनी हो रही है? मिलावट के खिलाफ कितनी कार्रवाई हुई? इन सवालों के जवाब सार्वजनिक किए जाने चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर में सात दिवसीय 'आपदा मित्र' प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इंदौर के निर्देशानुसार इंदौर में सात दिवसीय 'आपदा मित्र' प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय सत्र का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि डिवीजनल कमांडेंट श्रीमती प्रीति बाला सिंह एवं प्रशिक्षण अध्यक्ष डॉ. मधु राजेश तिवारी द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम एसडीआरएफ प्रशिक्षण केंद्र, रालामंडल, इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में लगभग 150 आपदा मित्रों का पंजीयन किया गया है। इंदौर जिले में कुल 900 आपदा मित्रों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन्हें चरणबद्ध रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि आपदा की स्थिति में प्रशिक्षित आपदा मित्र स्थानीय स्तर पर त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

संभाग स्तरीय सांख्यिकीय क्षमता संवर्धन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश राज्य सांख्यिकी आयोग के सहयोग से सांख्यिकीय प्रशिक्षण आवश्यकता आंकलन का अध्ययन किया गया था। अध्ययन का उद्देश्य क्षेत्रीय एवं जिला स्तर पर कार्यरत सांख्यिकीय कर्मियों (तकनीकी संवर्ग) की प्राथमिक क्षमता विकास आवश्यकताओं की पहचान करना था। उक्त आंकलन के निष्कर्षों के अनुरूप, पीआईएफ के सहयोग से संचालनालय द्वारा संभाग स्तर पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में इंदौर संभाग के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों के अन्वेषक/खंड स्तर अन्वेषक (बीएलई/इन्वेस्टिगेटर) एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारियों (ए.एस.ओ.) के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला का उद्देश्य सांख्यिकीय कार्यों से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता और कार्य क्षमता में वृद्धि करना तथा सांख्यिकीय आंकड़ों के संकलन, विश्लेषण एवं उपयोग से संबंधित आवश्यक कौशल का विकास करना रहा।

न्यायमूर्ति सप्रे की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 2 सितंबर को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में इंदौर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 2 सितंबर को प्रात: 11 बजे सिटी बस ऑफिस में आयोजित की जाएगी। बैठक में इंदौर जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा दुर्घटनाओं के कारण होने वाली जनहानि को रोकने के संबंध में विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के संबंध में निर्देश दिए जाएंगे।

संभागीय लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता 10 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, मध्यकप्रदेश शासन, संस्कृमति विभाग द्वारा महान पार्श्व गायिका लता मंगेशकर सुगम संगीत संभागीय प्रतियोगिता वर्ष 2026-27 का आयोजन 06 से 15 सितम्बर तकत आयोजित किया जा रहा है। अकादमी के निदेशक श्री प्रकाश सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के अंतर्गत युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाता है। इस वर्ष प्रतियोगिता के संभागीय आयोजन अंतर्गत इंदौर संभाग में 10 सितम्बइर, 2026 को प्रात: 10 बजे से शासकीय लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय, इंदौर में आयोजित होगी।

रानी सराय के परिंदों को मिली राहत, पेड़ों के काटने पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, पांच साल तक रखरखाव भी करेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रानी सराय के सैंकड़ों हरे-भरे पेड़ों पर फिलहाल कुल्हाडी नहीं चलेगी। कोर्ट ने इन पेडों की कटाई पर पूर्व में लगाई रोक यथावत रखते हुए पेडों पर रह रहे हजारों परिंदों को राहत दे दी है। हालांकि मंगलवार को हुई सुनवाई में मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने विशेषज्ञ की रिपोर्ट पेश की है।

कॉर्पोरेशन का कहना है कि वह रानी सराय के पेड़ों का काटेगा नहीं बल्कि इन्हें ट्रांसप्लांट किया जाएगा। साथ ही इन ट्रांसप्लांट किए गए पेड़ों का पांच साल तक रखरखाव भी करेंगे। मंगलवार को कार्पोरेशन को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की अनुमति पेश करना थी, लेकिन उसने इसके लिए समय ले लिया। मामले में कोर्ट 11 सितंबर को अंतिम बहस सुनेगी। हाई कोर्ट में यह जनहित याचिका प्रियांशु जैन ने एडवोकेट लवेश सारस्वत के माध्यम से प्रस्तुत की है। याचिका में कहा है कि रानी सराय में हजारों परिंदे पेड़ों पर घरोंदा बनाकर रह रहे हैं। अगर पेड़ों को काटा गया तो हजारों

परिंदों पर संकट आ जाएगा। इसी मामले में एक अन्य याचिका डा. अमन शर्मा ने एडवोकेट अभिनव धनोतकर के माध्यम से प्रस्तुत की है। इस जनहित याचिका में मप्र वृक्षों का परिरक्षण (नगरीय क्षेत्र) अधिनियम को चुनौती दी गई है। हाई कोर्ट ने वर्ष 2024 में याचिकाओं की सुनवाई करते हुए एमओजी लाइन्स और मल्हाराश्रम क्षेत्र में पेड़ों की कटाई पर रोक लगा दी थी।

बार-बार कथन बदल रहा है कॉर्पोरेशन

याचिका की सुनवाई के दौरान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन बार-बार कथन बदल रहा है। कॉर्पोरेशन ने पहले कहा था कि रानी सराय में लगे पेड़ों को नहीं काटा जा रहा है, क्योंकि यहां मेट्रो का अंडर ग्राउंड स्टेशन प्रस्तावित है। इसके लिए पेड़ काटने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। जब कोर्ट ने यह बात लिखित में मांगी तो कॉर्पोरेशन ने कहा कि उसे एनजीटी से पेड़ काटने की अनुमति मिल गई है। फिर जब कोर्ट ने एनजीटी की अनुमति पेश करने के लिए कहा तो अब कॉर्पोरेशन कह रहा है कि पेड़ काटे नहीं जाएंगे, बल्कि ट्रांसप्लांट किए जाएंगे। इन पेड़ों का पांच साल तक रखरखाव भी किया जाएगा।

ईएसआईसी नंदानगर की व्यवस्थाएं बदहाल, दूर-दूर से आने वाले मरीज परेशान

करोड़ों रुपए के अस्पताल में इलाज के लिए इंतजार दवा लेने से लेकर सोनोग्राफी कराने तक फजीहत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नंदानगर स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बेहतर और आधुनिक इलाज की उम्मीद लेकर पहुंच रहे बीमित मरीजों को कई स्तर पर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों का आरोप है कि ओपीडी में डॉक्टर समय पर उपलब्ध नहीं होते, दवा लेने के लिए पहले एक जगह लाइन लगाने के बाद दूसरी जगह भेज दिया जाता है और दवा उपलब्ध है या नहीं, इसका पता भी नंबर आने पर चलता है। सबसे गंभीर स्थिति सोनोग्राफी जांच में नजर आ रही है, यहां मरीजों को तीन से चार महीने बाद की तारीख दी जा रही है। जरूरी जांच के लिए मरीजों के सामने या तो अस्पताल में भर्ती होने या निजी सेंटर पर जांच करवाने का विकल्प बचता है।

व्यवस्था और संसाधनों के उपयोग पर सवाल: नंदानगर में बने नए ईएसआईसी अस्पताल का लोकार्पण अक्टूबर 2024 में हुआ। इसमें एमआरआई, सोनोग्राफी, एक्स-रे सहित आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध करवाने की बात कही गई। सूत्रों की माने तो ईएसआईसी के 2023-24 के वार्षिक रिपोर्ट में इंदौर के 300 बेड वाले, 500 बेड तक अपग्रेड किए जा सकने वाले अस्पताल प्रोजेक्ट की लागत 378.63 करोड़ रुपए दर्ज है। इतना बड़ा निवेश होने के बाद भी यदि मरीजों को सामान्य जांच के लिए महीनों इंतजार करना पड़े तो अस्पताल की व्यवस्था और संसाधनों के उपयोग पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हालांकि आधिकारिक रूप से कितने बेड और कितनी राशि प्रोजेक्ट में खर्च हुई है यह आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं है।

डॉक्टर का इंतजार, मरीज बोले-समय पर नहीं मिलते

अस्पताल में इलाज के लिए पहुंची स्वर्णिमा ने बताया ओपीडी में डॉक्टर के आने का इंतजार करना पड़ता है। मैं दो दिन से अस्पताल आ रही हूं, डॉक्टर 9.15 के बाद ही आते हैं। इसके पहले भी देखा की कई बार निर्धारित समय निकलने के बाद भी चिकित्सक उपलब्ध नहीं होते, जिससे ओपीडी में बैठे मरीजों की संख्या बढ़ती जाती है। खासकर दूर-दराज से आने वाले बीमित मरीजों के लिए यह परेशानी ज्यादा है। कैंसर इलाज के लिए आई राजकुमारी के परिजन ने बताया एक घंटे से अधिक समय लगता है डॉक्टर से परामर्श लेने के लिए। कई बार तो समय पर डॉक्टर ही उपलब्ध नहीं रहते। अस्पताल के गलियारे में कई मरीज अपनी बारी के इंतजार में नजर आते हैं।

दवा लेने के लिए भी स्पष्ट व्यवस्था नहीं-दवा लेने पहुंचे अंकित ने बताया दवा वितरण की व्यवस्था भी ठीक नहीं है। दवा के लिए लाइन में लगने के बाद उन्हें बताया जाता है कि दवा डिस्पेंसरी से मिलेगी। इसके बाद मरीज को दूसरी जगह जाना पड़ता है। दवा उपलब्ध है या नहीं, इसकी जानकारी पहले से स्पष्ट नहीं होती। नंबर आने पर ही पता चलता है कि दवा मिलेगी या नहीं। इससे बुजुर्ग, महिला और दूर से आए मरीजों को ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है।

लोक अदालत की सफलता के लिए बिजली कंपनी ने दिए हजारों नोटिस

- 12 सितंबर की लोक अदालत में 10 लाख तक सिविल दायित्व के प्रकरणों का होगा समाधान
- ब्याज पर शत प्रतिशत एवं मूल सिविल राशि पर 30 प्रतिशत तक छूट दी जाएगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मप्र शासन ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 12 सितंबर शनिवार को मालवा-निमाड़ के 44 न्यायालय क्षेत्रों में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की प्रभावी तैयारी की है। कंपनी ने इंदौर, उज्जैन, रतलाम समेत अन्य 12 जिलों में हजारों नोटिस भेजे हैं। ये नोटिस सतर्कता संकाय, संचारण संधारण अधिकारियों द्वारा पृथक रूप से भेजे गए हैं।

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य सतर्कता अधिकारी एसआर बमनके ने बताया कि प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कंपनी क्षेत्र के सभी 15 जिलों में तैयारी जारी हैं। इसके लिए जिलों/सर्कलों के अधीक्षण अभियंताओं, कार्यपालन अभियंताओं के साथ वर्चुअल एवं समक्ष मिटिंग कर लोक अदालत में अधिकाधिक प्रकरणों के समाधान के विशेष प्रयास किए गए हैं। इस लोक अदालत में 10 लाख रूपए तक के सिविल दायित्व के प्रकरणों में समझौता हो सकेगा। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों का समझौता होगा। प्री लिटिगेशन स्तर सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट देंगे। इसी तरह लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत रियायत प्रदान की जाएगी। मुख्य सतर्कता अधिकारी एसआर बमनके ने बताया कि उपरोक्त रियायत समस्त घरेलू, 5 किलोवाट तक के गैर घरेलू, 10 एचपी तक के आईपी औद्योगिक कनेक्शन से संबद्ध प्रकरणों पर ही देय रहेगी। निर्धारित छूट के उपरांत शेष बिल आंकलित सिविल दायित्व, अपराध शमन राशि एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा।

नेपाल त्रासदी में दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित कर राजवाड़ा पर हुआ राष्ट्र गीत एवं राष्ट्रगान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर देवी अहिल्या माता प्रतिमा राजवाड़ा पर प्रति माह की 1 तारीख अनुसार 1 सितंबर को स्वतंत्रता सेनानी एवं संयुक्त संगठन ने स्वतंत्रता सेनानी वंशजों की उपस्थिति में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान गाया कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अजय नारायण सीतलानी ने माताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नेपाल त्रासदी में दिवंगत हुए सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित कर 2 मिनट का मौन रखा गया आए हुए सभी अतिथियों का माला से स्वागत किया तत्पश्चात सभी ने अपने राष्ट्रभक्त देश प्रेम के विषय में विचार रखें कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री दिलीप राजपाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री श्रीमती अर्चना जायसवाल, राष्ट्रीय सिंधी समाज के राष्ट्रीय महासचिव मुकेश सचदेव, ईश्वर जोशी, सुभाष जैन, पं दिनेश दुबे, राधेश्याम गुप्ता, उमाशंकर राय कवार, राधा ताई पवार, एड सुधा भंडारी, एड सुधीर जैन, पुष्पा जोशी, श्रीमती सीतलानी, जानकी लाल पटेरिया, राकेश शास्त्री, वीरेंद्र झंझोट, दिलीप ठक्कर, सुनील अग्रवाल, अ. गफ्फार खान, अनोखी लाल अंगदेले, अजीत ठाकुर, दीपक मलोरिया. मो. हारुन सहित कई स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों के वंशज मौजूद थे।

'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' की थीम पर मनेगा 9वां राष्ट्रीय पोषण माह

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इस वर्ष 9वें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का आयोजन 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' की थीम पर व्यापक जनभागीदारी के साथ किया जाएगा। महिला व बाल विकास विभाग द्वारा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत आयोजित होने वाले पोषण माह का उद्देश्य आंगनवाड़ी केन्द्रों को पोषण, देखभाल और प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास की गतिविधियों का प्रभावी केन्द्र बनाते हुए समुदाय की सक्रिय भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। पोषण माह को केवल जागरूकता अभियान तक सीमित न रखते हुए समुदाय को आंगनवाड़ी केन्द्रों से जोड़ने और पोषण सेवाओं में उसकी भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेशभर में स्थानीय खाद्य पदार्थों, संतुलित आहार, पर्याप्त प्रोटीन, बच्चों के प्रारंभिक विकास, गर्म पके भोजन की गुणवत्ता तथा मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियां आयोजित होंगी।

श्री खजराना गणेश मंदिर में 'दुर्लभ दर्शन केंद्र' की शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री खजराना गणेश मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए एक नई और अनोखी आध्यात्मिक सुविधा 'दुर्लभ दर्शन केंद्र' का शुभारंभ किया गया है। यहां आने वाले श्रद्धालु अत्याधुनिक 6डी वर्चुअल रियलिटी (वीआर) तकनीक के माध्यम से भारत के प्रसिद्ध मंदिरों, आरतियों और धार्मिक आयोजनों का ऐसा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे, मानो वे स्वयं उस पवित्र स्थान पर उपस्थित हों। दुर्लभ दर्शन एक भारतीय तकनीक पर आधारित आध्यात्मिक अनुभव है, जिसके माध्यम से श्रद्धालु विशेष ड्रक्र हेडसेट पहनकर ऐसा अनुभव करते हैं, मानो वे स्वयं उस मंदिर में उपस्थित हों। यह केवल दर्शन कराने तक सीमित नहीं है। प्रत्येक अनुभव में उस तीर्थ का इतिहास, पौराणिक कथा, धार्मिक महत्व और उससे जुड़ी रोचक जानकारियां भी सरल भाषा में समझाई जाती हैं। अर्थात श्रद्धालु केवल दर्शन ही नहीं करते, बल्कि उस तीर्थ को गहराई से समझते भी हैं। केवल वीडियो देखने के बजाय, ऐसा महसूस होता है जैसे आप मंदिर के गर्भगृह में खड़े होकर आरती, अभिषेक और धार्मिक आयोजनों के साक्षी बन रहे हों। दुर्लभ दर्शन में उपयोग की गई 6डी तकनीक पूरी तरह भारत में विकसित की गई है।

सेंट्रल जेल इंदौर में आयुष विभाग द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर हुआ आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सेंट्रल जेल इंदौर में आयुष विभाग द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में बन्दियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाएं आयुष विभाग के अधिकारियों के निर्देशन में आयोजित की गई, इस शिविर का उद्देश्य बन्दियों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध कराना रहा। संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. मीना भायल एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया के मार्गदर्शन में शिविर का संचालन किया गया, जेल अधीक्षक दिनेश नरवरे, उप अधीक्षक नागर सर के मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी डॉ. राकेश गुप्ता के साथ आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ जितेन्द्र भालसे, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेश पोरवाल आदि ने सेवाएं प्रदान की।

जनसुनवाई में एडवोकेट ने लगाई गुहार

8 महीने से शिकायत कर रहा हूं, फर्जी अस्पताल-डॉक्टरों पर कार्रवाई नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर कलेक्टर ऑफिस में मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान शिकायत बताते हुए अचानक एक एडवोकेट कलेक्टर के पैर पड़ने लगे। एडवोकेट घुटनों पर बैठ गए और कलेक्टर के पैर पकड़ते हुए जनता की जान की सुरक्षा की गुहार लगाने लगे। एडवोकेट के मुताबिक, वे पिछले 8 महीनों से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। दरअसल, शहर में कथित रूप से बिना अनुमति संचालित हो रहे अस्पतालों और फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर एडवोकेट चर्चित शास्त्री ने जिला प्रशासन के समक्ष गंभीर शिकायतें रखी हैं। एडवोकेट ने आरोप लगाया कि शहर में कुछ ऐसे अस्पताल और चिकित्सकीय संस्थान संचालित हो रहे हैं, जिनकी वैधता और अनुमति को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

वकील की 78 लाख फीस दें-दिल्ली हाईकोर्ट

कानूनी सेवाएं लेने के बाद फीस देने से मुकर नहीं सकती एमपी सरकार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य सरकार किसी वरिष्ठ वकील से अदालत में अपनी पैरवी कराने के बाद उनकी फीस चुकाने से पल्ला नहीं झाड़ सकती। किसी वकील को अपने हक की फीस पाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़े, यह राज्य व्यवस्था पर एक बड़ा सवाल है।

दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस सचिन दत्ता की पीठ ने यह तल्ख टिप्पणी करते हुए मध्य प्रदेश सरकार को बड़ा झटका दिया है। हाईकोर्ट ने एमपी सरकार को राज्य के पूर्व महाधिवक्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप जॉर्ज चौधरी को 78.65 लाख का बकाया भुगतान 9% वार्षिक ब्याज (वर्ष 2021 से) के साथ करने का निर्देश दिया है।

अदालत ने एमपी सरकार के रुख पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि कानूनी सेवाएं लेने के बाद राज्य भुगतान से इनकार नहीं कर सकता। जस्टिस सचिन दत्ता ने टिप्पणी की कि किसी वकील को अपनी फीस वसूलने के लिए सालों तक याचिका लड़नी पड़े, यह व्यवस्था और राज्य की गरिमा के लिए चिंताजनक है।

वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप जॉर्ज चौधरी ने सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के सामने मध्य प्रदेश सरकार और मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड का पक्ष रखा था। मामला इंदौर डेवलपमेंट अथॉरिटी बनाम मनोहर लाल और भूमि अधिग्रहण कानून की धारा 24(2) की संवैधानिक व्याख्या से जुड़ा हुआ था।

सरकार की दलील चौधरी की नियुक्ति की अधिकारिक फाइल उपलब्ध नहीं सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश सरकार ने दलील दी कि चौधरी की नियुक्ति की कोई आधिकारिक फाइल उपलब्ध नहीं है और उनकी फीस का दावा बहुत अधिक है।

चलित झांकी कलाकार पप्पू बैरवा को 23वां मालव रत्न अलंकरण से 9 को किया जाएगा सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नेताजी सुभाष मंच एवं श्री गीता-रामेश्वरम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 23वां मालवा रत्न अलंकरण का आयोजन किया जा रहा है। इस बार चलित झांकी कलाकार पप्पू बैरवा (नरेन्द्र) को मालवा रत्न अलंकरण सेविभूषित किया जाएगा। जानकारी देते हुए मंच के अध्यक्ष मदन परमालिया एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल ने संयुक्त रूप से बताया कि आयोजन बुधवार, 9 सितम्बर को शाम 4 बजे बिचौली मर्दाना स्थित विद्यासागर ऑडिटोरियम, इन्दौर में आयोजित किया जाएगा।

इंटक ने राहुल गांधी को भेजा आमंत्रण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 12 सितम्बर को प्रस्तावित इन्दौर आगमन को लेकर राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) मध्यप्रदेश ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें इन्दौर की ऐतिहासिक कपड़ा मिलों में गणेशोत्सव के लिए निर्माणाधीन झांकियों का अवलोकन करने का आमंत्रण दिया है। इंटक मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्याम सुंदर यादव ने राहुल गांधी को भेजे पत्र में कहा कि इन्दौर कभी देश के प्रमुख कपड़ा मिल केन्द्रों में शामिल रहा है। कपड़ा मिलों ने हजारों श्रमिक परिवारों को रोजगार देने के साथ-साथ शहर के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भले ही इन्दौर की कपड़ा मिलें बंद हो चुकी हैं, लेकिन उनसे जुड़ी श्रमिक संस्कृति और परम्पराएं आज भी जीवित हैं। यादव ने कहा कि लगभग 100 वर्ष पूर्व इन्दौर के मिल श्रमिकों ने गणेशोत्सव के अवसर पर गणेश विसर्जन के दौरान आकर्षक एवं नयनाभिराम झांकियां निकालने की परम्परा शुरू की थी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 02 सितंबर 2026

न्यूज ब्रीफ

गीता भवन पर पूरे दिन विभिन्न कार्यक्रम, 3 विशिष्ट झांकियां भी सजेंगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मनोरमागंज स्थित गीता भवन पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के महापर्व पर शुक्रवार 4 सितम्बर को सुबह से लेकर मध्य रात्रि तक विभिन्न सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई है। ट्रस्ट के अध्यक्ष राम ऐरन, मंत्री रामविलास राठी एवं मनोहर बाहेती ने बताया कि वाराणसी से स्वामी कृष्णगिरि सरस्वती जन्माष्टमी के दिन सुबह और शाम तक भगवान की लीलाओं पर विशेष प्रवचनों की अमृत वर्षा करेंगे। जन्माष्टमी पर गीता भवन स्थित कृष्ण मंदिर सहित सभी देवालयों की पुष्प एवं विद्युत से आकर्षक सज्जा भी की जा रही है। इस अवसर पर भगवान के बाल स्वरुप, चतुर्भुज अवतार एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर आधारित विशिष्ट झांकियों के दर्शन भी शाम 6 बजे से होंगे तथा उसके पूर्व दिनभर भजन-संकीर्तन के बाद रात 8 बजे से 11.30 बजे तक प्रसाद वितरण और रात्रि ठीक 12 बजे भव्य महाआरती होगी। आम श्रद्धालु गीता भवन में इन सभी उत्सवों और झांकियों का पुण्य लाभ रात 12.30 बजे तक ले सकेंगे।

जिन्दगी की किताब अपने माता-पिता के सामने हमेशा खुली रखना चाहिए - राष्ट्रसंत सुधासागर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •दुनिया को धोखा दिया जा सकता है लेकिन अपनी आत्मा और परमात्मा को नहीं। माता-पिता और गुरु के सामने झूठ, छल-कपट या कोई भी महत्वपूर्ण बात छिपाना नहीं चाहिए। मन में कोई गलत विचार अथवा समस्या हो तो उसे पूरे विश्वास के साथ साझा करना चाहिए। दान के लिए बड़ी धनराशि की नहीं अपितु निर्मल भाव और अपनी सामर्थ्य के अनुसार त्याग का संकल्प होना आवश्यक है। सच्चा वैराग्य किन्तु-परन्तु अथवा बहाने नहीं बनाता बल्कि ईमानदारी से उस मार्ग की खोज करता है। अपनी जिन्दगी की किताब हमें अपने माता-पिता के सामने हमेशा खुली रखना चाहिए। ये दिव्य और प्रेरक विचार हैं संत शिरोमणि प.पू. विद्यासागर म.सा. के परम प्रभावक शिष्य और राष्ट्रसंत मुनि पुंगव प.पू. श्री सुधासागर महाराज के, जो उन्होंने सकल दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में वीआईपी रोड स्थित किला मैदान, दलाल बाग परिसर में निर्मित विद्या-सुधा मंडप में चल रहे चातुर्मास महोत्सव की धर्मसभा में व्यक्त किए। सभा का शुभारंभ मंगलाचरण एवं पाद प्रक्षालन के साथ हुआ।

वैश्य परिचय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर महिला संगठनों की बैठक आज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मप्र वैश्य महासम्मेलन द्वारा विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए 26-27 सितंबर को रिंग रोड स्थित दस्तूर गार्डन पर होने वाले अ.भा. वैश्य परिचय सम्मेलन के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के उद्देश्य से शहर के प्रमुख महिला संगठनों की बैठक वैश्य महिला इकाई के तत्वावधान में बुधवार 2 सितंबर को आरएनटी मार्ग स्थित होटल अप्सरा में रखी गई है। वैश्य महिला इकाई की अध्यक्ष राखी विजयवर्गीय ने बताया कि परिचय सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा एवं रायशुमारी के लिए सभी समाजों की महिलाएं बैठक में शामिल होंगी। बैठक में सम्मेलन की विस्तृत रूपरेखा, पंजीयन प्रक्रिया, पंजीयन की समय-सीमा, युवक-युवतियों की सहभागिता तथा आयोजन की व्यवस्थाओं सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

फर्जी दस्तावेज मामले में अंसारी की जमानत खारिज, कोर्ट ने कहा- आरोपी से पूछताछ जरूरी

दैनिक इंदौर संकेत

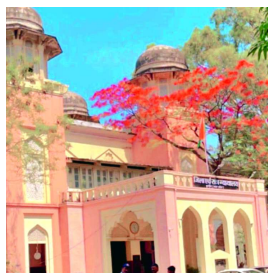

इंदौर • शासकीय उर्दू कन्या उप महाविद्यालय, हाथीपाला स्कूल परिसर में बसें खड़ी करने की अनुमति से जुड़े फर्जी दस्तावेज के मामले में जिला कोर्ट ने इफ्तेखार उर्फ मुन्ना अंसारी की दूसरी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। मंगलवार को कोर्ट ने कहा कि मामले में आरोपी से पूछताछ जरूरी है और उसे अग्रिम जमानत पर छोड़े जाने से जांच प्रभावित होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। मामला वर्ष 2021 में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। आरोपी के खिलाफ थाना सेंट्रल कोतवाली में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद अंतिम प्रतिवेदन भी पेश किया था। अभियोजन के अनुसार 14 सितंबर 2019 को शिकायतकर्ता असफाक अंसारी ने डीआईजी इंदौर को शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया था कि शासकीय उर्दू कन्या उपमहाविद्यालय, हाथीपाला स्कूल परिसर में चार बसें खड़ी करने के लिए तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर व सीईओ के हस्ताक्षर वाला एक पत्र दिया गया था। इन बसों के नंबर एमपी 09- एफ 6095 से 6098 बताए गए थे। बाद में शिकायतकर्ता को जानकारी मिली कि डिप्टी कलेक्टर द्वारा ऐसा कोई पत्र जारी ही नहीं किया गया था। जांच के दौरान पत्र को जब्त कर फोरेंसिक जांच कराई गई। पुलिस के अनुसार, यह मूल दस्तावेज नहीं बल्कि कलर फोटो कॉपी पाई गई। आरोप है कि इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के माध्यम से तैयार किए गए। इस फर्जी दस्तावेज को वास्तविक दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल कर लाभ लेने का प्रयास किया गया।

आरोपी की ओर से एडवोकेट ने तर्क दिया कि उसके खिलाफ राजनीतिक और पुरानी रंजिश के चलते झूठा मामला दर्ज कराया गया है। बचाव पक्ष ने कहा कि आरोपी 68 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक है और पूर्व में पार्षद भी रह चुके हैं। उनका यह भी तर्क था कि फर्जी दस्तावेज की मूल प्रति जांच में बरामद नहीं हुई है और दस्तावेज तैयार करने में उनकी भूमिका का कोई स्पष्ट साक्ष्य नहीं है। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि आरोपी ने जांच में सहयोग किया है और पुलिस को नमूना हस्ताक्षर भी दिए हैं। साथ ही, मामले में पहले की गई जांच और पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए गए।

शिकायतकर्ता और अन्य आपत्तिकर्ताओं की ओर से अग्रिम जमानत का विरोध किया गया। उनका कहना था कि आरोपी पहले की अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद से फरार है और गिरफ्तारी से बच रहा है। आरोप लगाया कि वह राजनीतिक प्रभाव के आधार पर कार्रवाई से बचने का प्रयास कर रहा है और शिकायतकर्ता और उसके परिवार पर समझौते के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

कोर्ट ने केस डायरी और आपराधिक प्रकरण का अवलोकन करने के बाद माना कि मामले में पत्र फर्जी दस्तावेज है और जांच के दौरान इसकी मूल प्रति बरामद नहीं हुई। कोर्ट ने कहा कि आरोपी से यह पूछताछ करना जरूरी है कि रंगीन फोटो कॉपी से संबंधित मूल दस्तावेज उपलब्ध हैं या नहीं अथवा उन्हें नष्ट किया गया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि पुलिस के पास अंतिम प्रतिवेदन पेश किए जाने के बाद भी आरोपी से पूछताछ कर अतिरिक्त जांच करने और पूरक अभियोग-पत्र पेश करने का अधिकार है। ऐसी स्थिति में आरोपी को अग्रिम जमानत देने से जांच पर विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

डेली कॉलेज में सजा साहित्य का मंच, जी-लिट्राटी में लेखकों से रूबरू हुए विद्यार्थी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • डेली कॉलेज में मंगलवार को साहित्य और संवाद का रंग देखने को मिला। कॉलेज के वार्षिक साहित्यिक उत्सव जी-लिट्राटी के पांचवें संस्करण का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर के साहित्य प्रेमियों और विद्यार्थियों ने शिरकत की। लेखकों ने अपनी किताबों, लेखन के अनुभवों और साहित्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों से बातचीत की। वहीं विद्यार्थियों को लेखकों से सीधे संवाद करने और उनकी रचनात्मक यात्रा को करीब से समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम में 1985 बैच के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और वैली ऑफ वर्ड्स अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक उत्सव के निदेशक डॉ. संजीव चोपड़ा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ लेखिका विद्या नेसरीकर, हुतुका सुमी, नवनीत नीरव, अदिति कृष्णकुमार, शिवकुमार मोहंका और उपासना ने विभिन्न सत्रों में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि किताब पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत है। साहित्य अलग-अलग भाषाओं और शैलियों के माध्यम से समाज, जीवन और मानवीय अनुभवों को समझने का अवसर देता है।

जी-लिट्राटी में किताबों को केंद्र में रखते हुए कई सत्र आयोजित किए गए। इनमें लेखकों के साथ साक्षात्कार, बातचीत और खुले मंच पर विचार-विमर्श हुआ। विद्यार्थियों ने लेखकों से उनके लेखन, पात्रों, विषयों और रचनात्मक प्रक्रिया को लेकर सवाल किए। साहित्यिक समीक्षा के लिए इस बार छह पुस्तकों का चयन किया गया था। इनमें विद्या नेसरीकर की 'अ पैच ऑफ सन, अ पैच ऑफ शेड', हुतुका सुमी की 'जाइंट्स', नवनीत नीरव की 'नाच', अदिति कृष्णकुमार की 'द व्हाइट लोटस', शिवकुमार मोहंका की 'अबव एंड बियॉन्ड' और उपासना की 'उड़ने वाला फूल' शामिल रहीं।

आयोजन को सिर्फ लेखकों की बातचीत तक सीमित नहीं रखा गया। विद्यार्थियों ने चयनित पुस्तकों पर आकर्षक पोस्टर तैयार किए और किताबों को पढ़ने के बाद अपने विचार भी साझा किए। इससे साहित्य को लेकर विद्यार्थियों की समझ और उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति सामने आई।

कार्यक्रम के दौरान डेली कॉलेज के विद्यार्थियों ने महिषासुर मर्दिनी के आख्यान पर आधारित नृत्य-रचना प्रस्तुत की। भारतीय पौराणिक कथा और नृत्य के सुंदर संयोजन वाली इस प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। डेली कॉलेज की प्राचार्य डॉ. गुनमीत बिंद्रा ने लेखकों को प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

नदी किनारे हरियाली की पहल: संस्था समृद्ध ने शुरू किया पौधारोपण अभियान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ संस्था समृद्ध ने एक पेड़ मां के नाम के तहत नदी किनारों पर पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। अभियान का शुभारंभ नर्मदा-शिप्रा संगम केवड़ेश्वर पर 251 फलदार पौधे रोपकर किया गया। विभिन्न स्थानों पर 5 हजार से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। संस्था अध्यक्ष एवं युवा समाजसेवी लोकेश अवस्थी लक्की ने बताया कि अभियान के तहत अलग-अलग प्रजातियों के पौधे नदी किनारे लगाए जाएंगे। संस्था द्वारा आने वाले दिनों में पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें विभिन्न समाजों के लोग अपने परिवार के साथ शामिल होकर पौधे लगाएंगे। इसका उद्देश्य नदी किनारों को हरियाली से समृद्ध करना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। अभियान के तहत मंगलवार को केवड़ेश्वर में नीम, पीपल, आम, जामुन सहित कई प्रजातियों के 251 फलदार पौधे रोपे गए।

अजय सिंह बोले- 2028 में प्रदेश में कांग्रेस आएगी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • जिला मुख्यालय में मंगलवार दोपहर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह (राहुल भैया) ने कांग्रेस कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए संगठन की मजबूती और प्रदेश की राजनीतिक स्थिति पर बात की। अजय सिंह ने कहा कि 2018 के बाद से प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है। उन्होंने दावा किया कि 2028 में मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। अजय सिंह ने बताया कि कांग्रेस लंबे समय से सत्ता से बाहर हैं। एक पूरी पीढ़ी ने प्रदेश में कांग्रेस सरकार नहीं देखी है। इसके बावजूद, कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और लगन से जनता के बीच सक्रिय हैं। उन्होंने संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने हर स्थिति में पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाया है।

अग्रवाल युवा पहुंचे एशिया के सबसे स्वच्छ गाँव की रोमांचक यात्रा पर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अग्रवाल समाज की तरुणाई का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष संस्था अग्रसेन यूथ क्लब के 42 सदस्यों ने मंगलवार को अपनी पूर्वोत्तर भारत यात्रा के दौरान मेघालय स्थित एशिया के सबसे स्वच्छ गाँव के रूप में प्रख्यात मौलिन्नोंग (ईस्ट खासी हिल्स) की रोमांचक यात्रा की। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के युवाओं की यह टीम जब इस साफ-सुथरे और प्राकृतिक पर्यावरण से सजे-धजे इस गाँव में पहुंची तो वहां का मौसम, जलवायु और सौन्दर्य देखकर सभी सदस्य सुखद आश्चर्य में पड़ गए।

यूथ क्लब के अध्यक्ष प्रतीक गुप्ता एवं सचिव सौरभ गोयल बालाजी ने बताया कि यात्रा में अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष गोविन्द सिंघल मामा, प्रयोग गर्ग, किशन गुप्ता, विनोद बागड़ी, रितेश मित्तल, शरद गोयल, शिरीष गोयल, महेश अग्रवाल, अजय ईजिओ, सुनील बद्रुका सहित सभी प्रमुख सदस्य परिवार के साथ पूर्वोत्तर भारत के असम, अरुणाचल और मेघालय सहित पडोसी राज्यों की 7 दिवसीय यात्रा पर आए हैं। इंदौर से 30 अगस्त को रवाना हुई इस यात्रा के दौरान संयोजक राजीव बांकडा एवं अंकित काका के मार्गदर्शन में सदस्यों ने पूर्वोत्तर भारत के अन्य पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की यात्रा कर वहां मालवांचल में सुखद वर्षा की प्रार्थना के साथ ही समाज एवं राष्ट्र में सुख, शांति एवं सदभाव के लिए भी प्रार्थना की। सभी सदस्य रविवार तक इंदौर लौट आएंगे।

सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही पर 3 अफसरों का वेतन कटेगा, कलेक्टर ने कहा- शिकायतें खुद देखें

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा •

कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की है। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में हुई टीएल बैठक में शिकायतों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान लापरवाही सामने आने पर बीईओ कविता वर्मा, खालवा सीईओ रतिलाल कनासे और सीडीपीओ रूपसिंह सिसोदिया का एक-एक माह का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने अधिकारियों को साफ कहा कि शिकायतों का समय-सीमा में संतोषजनक निराकरण किया जाए और इसकी जानकारी संबंधित पोर्टल पर भी दर्ज कराई जाए।

कलेक्टर गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को केवल कंप्यूटर ऑपरेटर के भरोसे न छोड़ा जाए। अधिकारी खुद शिकायत की वास्तविक स्थिति देखें और उसका संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें। शिकायत का निराकरण होने के बाद उसकी जानकारी संबंधित पोर्टल पर भी अनिवार्य रूप से दर्ज कराई जाए, ताकि ऑनलाइन रिकॉर्ड में स्थिति अपडेट रहे। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतों को अनावश्यक रूप से दूसरे विभागों में ट्रांसफर नहीं किया जाए। यदि शिकायत किसी विभाग से संबंधित है तो उसी विभाग के अधिकारी उसकी जिम्मेदारी लेकर निराकरण करें। कलेक्टर ने लंबित शिकायतों की लगातार निगरानी करने और तय समय सीमा के भीतर उनका समाधान करने के निर्देश दिए।

निशानेबाजों ने देशभर के शूटर्स को पीछे छोड़कर दो स्वर्ण सहित 30 पदक हासिल कर बनाया नया कीर्तिमान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संस्कारधानी जबलपुर में आयोजित 7 दिवसीय 13वीं जीएफजी शूटिंग चैंपियनशिप में इंदौर की वीर रायफ़ल शूटिंग सोसायटी के शूटर्स ने शामिल होकर अपने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए 30 पदक हासिल कर इंदौर एवं सोसायटी के नाम को रोशन किया। सोसायटी के कोच सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में जबलपुर में आयोजित इस स्पर्धा में देशभर के सैकड़ों निशानेबाजों ने अपने निशाने लगाए लेकिन इनमें से वीर रायफल शूटिंग सोसायटी के कृष्णम यादव ने 10 मीटर एयर पिस्टल में 2 स्वर्ण एवं 5 रजत सहित 7 पदक हासिल किए। वहीं कृष्णा ठाकुर ने भी 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष वर्ग में 4, गीतांशी अव्हाड़ ने 10 मीटर एयर रायफल में 3 पदक प्राप्त किए। कर्णिका मिथास ने भी 2 पदक अपने नाम किए। 10 मीटर एयर पिस्टल मास्टर वुमन में विद्या शर्मा ने रजत पदक और आशीष जैकब ने भी 10 मीटर एयर पिस्टल मास्टर मैन में रजत पदक प्राप्त किया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

रिश्तों का मापदंड

रिश्तों को लेकर बहुत कठोर मापदंड मत बनाइए। सामने वाले को एक-एक चीज़ पर परखिये मत। हो सकता है कोई दोस्त बहुत बौद्धिक हो मगर तारीफ करना न जानता हो। हो सकता है कोई ईर्ष्या करता है, मगर सबसे सही सलाह भी वही देता हो। सामने वाली एक-एक प्रतिक्रिया पर उसे स्कोर मत दीजिए। उसके हर रिएक्शन पर उसका रिपोर्ट कार्ड तैयार मत कीजिए। संभव है कि जब वो आपकी किसी खुशी पर बहुत खुश न हुआ तब वो खुद किसी गहरे दुख से गुज़र रहा हो। आप ये सोचकर नाराज़ हो गए कि वो इतना खुश क्यों नहीं हुआ और उसने ये सोचकर अपना दुख बयां नहीं किया कि आपकी खुशी में भंग न पड़ जाए। वो दुखी हो कर आपकी खातिर खुश होने का अभिनय कर रहा है और आप इस बात पर नाराज़ हो गए कि आपकी इतनी बड़ी खुशी में भी वो सिर्फ खुश होने का अभिनय कर रहा है। इंसान सामान भी खरीदता है तो चीज़ बहुत अच्छी लगने पर कमियों से समझौता कर लेता है। मोबाइल का कैमरा अच्छा है, तो उसे खरीद लिया ये जानते हुए कि उसकी बैटरी वीक है। टीशर्ट के बाजू पर कंपनी का लोगो पसंद नहीं आया, पर टी शर्ट का रंग पसंद है, तो बाजू पर बने लोगो को इग्नोर कर दिया। मगर हम इंसानों के साथ ऐसा कोई समझौता नहीं करते। कपड़ों की तरह उन्हें कोई रियायत नहीं देते। वो इंसान जो किसी कंप्यूटर प्रोग्राम से नहीं, भावनाओं से चलता है। वो इंसान जो कमज़ोर है। आत्म संशय से घिरा है। उस इंसान को हम किसी संदेह का लाभ नहीं देना चाहते। सारी माफियां खुद के लिए बचाकर रखते हैं। छोटी-छोटी बातें बुरा लगने पर सालों पुराने रिश्तों में पीछे हट जाते हैं। बातचीत बंद कर लेते हैं और खुद ही खुद को अकेला करते जाते हैं। कुछ वक्त बाद नाराज़गी पिघल कर हवा हो जाती है। सामने वाले के साथ गुज़ारा वक्त याद आने लगता है खाली वक्त में उसे मिस भी करते हैं। मगर उससे बात करने की पहल नहीं कर पाते। अकेलापन आज दुनिया की सबसे बड़ी बीमारी है। डिप्रेशन सबसे बड़ा रोग है और ये रोग हमने खुद अर्जित किया हैं, क्योंकि हम लोगों को तब तक पास नहीं करते जब तक कि वो रिश्तों में दस बटा दस नंबर न ले आएं।।

सतीश शर्मा

जब जलवायु घर छीन रही हो कानून को छत बनना होगा

बाढ़ और कटाव से घर उजड़ते हैं, परिवारों का भविष्य भी बह जाता है; लेकिन कानून में उनके लिए कोई ठिकाना नहीं। भारत में जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चेतावनी नहीं, लाखों लोगों की वर्तमान त्रासदी है। 2024 में जलवायु संबंधी आपदाओं से 54 लाख आंतरिक विस्थापन दर्ज हुए-दक्षिण एशिया में सबसे अधिक। करीब दो-तिहाई बाढ़ से जुड़े थे। 2022 में यह आंकड़ा 25 लाख था। असम, सुंदरबन, ओडिशा और बिहार के नदी-तटीय इलाकों में परिवार हर साल घर, खेत और पहचान खो रहे हैं। फिर भी अब तक (2026) ऐसा कोई कानून नहीं, जो उन्हें 'जलवायु विस्थापित' मानकर अधिकार तय करे। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 तत्काल राहत तक सीमित है; स्थायी पुनर्वास और मुआवजे का अधिकार कानून से बाहर है। नदी का पानी उतर जाए तो आदमी घर लौट सकता है, लेकिन कटाव जमीन निगल जाए तो लौटने को कुछ बचता नहीं। यही नदी-कटाव को बाढ़ से अधिक क्रूर बनाता है। ब्रह्मपुत्र 1950 के बाद से असम की 4.27 लाख हेक्टेयर जमीन निगल चुकी है। माजुली द्वीप 1970 के दशक में 1,250 वर्ग किलोमीटर था, जो अब 350-600 वर्ग किलोमीटर रह गया है। सरकारी आंकड़े 2014-24 के बीच 17,390 लोगों के विस्थापन की बात करते हैं, जबकि संसद में दिए जवाब 86 हजार से अधिक लोगों की भूमिहीनता बताते हैं। तटबंधों या सरकारी जमीन पर बसे परिवार 'अतिक्रमणकारी' कहलाते हैं। भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में राज्य जमीन ले तो मुआवजा है; नदी ले जाए तो न अधिग्रहण माना जाता है, न मुआवजा। सबसे गहरी चोट तब लगती है, जब जमीन का अस्तित्व मिट गया हो और उसी का कागज मांगकर इंसान को राहत से बाहर कर दिया जाए। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन, आजीविका और आश्रय का अधिकार देता है, लेकिन अदालतें भी इस संकट का व्यापक समाधान नहीं कर पाई हैं। गौहाटी उच्च न्यायालय ने कुछ मामलों में राहत दी है, पर व्यापक नीति नहीं बनी। असम की 2020 की पुनर्वास नीति 2023 में संशोधित/आंशिक रूप से वापस ली गई। पंद्रहवें वित्त आयोग ने कटाव प्रभावितों के लिए अलग फंड की सिफारिश की थी और 2024 में केंद्र ने कुछ दिशानिर्देश जारी किए, मगर जमीनी पहुंच सीमित है। दस्तावेजों की शर्त उस परिवार के सामने है, जिसकी

जमीन और कागज दोनों नदी में समा चुके हैं।

उजड़ना केवल गांव छोड़ना नहीं है; यह आदमी को उसकी पुरानी पहचान से भी बेदखल कर देता है। सुंदरबन में बढ़ती लवणता खेती और मछली पालन खत्म कर रही है। खेत और पानी जब रोजी छीन लेते हैं, तो परिवार शहरों की ओर जाता है। वहां झुग्गियों में नई जिंदगी शुरू होती है-मगर अधिकारों के बिना। कोई राष्ट्रीय रजिस्टर, स्पष्ट नोडल एजेंसी नहीं है। 2022 का निजी सदस्य विधेयक-क्लाइमेट माइग्रेंट्स (प्रोटेक्शन एंड रिहैबिलिटेशन) बिल—संसद में आगे नहीं बढ़ सका। इस बीच जलवायु विस्थापन अस्थायी घटना नहीं, स्थायी और संरचनात्मक संकट बनता जा रहा है। व्यवस्था फिर भी उसे 'आपदा' की छोटी अवधि में बांधकर देख रही है। दुनिया के दूसरे हिस्सों में कानून ने बदलती जलवायु की आहट सुन ली है, लेकिन भारत में उजड़े लोगों की आवाज व्यवस्था की दीवारों से टकराकर लौट आती है। बांग्लादेश और फिजी ने जलवायु विस्थापितों को कानूनी पहचान देने की दिशा में कदम उठाए हैं। ऑस्ट्रेलिया-तुवालु समझौता बताता है कि जलवायु आवागमन को कानूनी ढांचे में जगह दी जा सकती है। भारत में कार्बन सेस और पर्यावरणीय जुर्माने से समर्पित फंड बनाने के प्रस्ताव हैं, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। जब बांध या हाईवे परियोजना से विस्थापित व्यक्ति को मुआवजा और पुनर्वास मिलता है, तो प्रकृति से उजड़े परिवार को क्यों नहीं? जमीन जाने का दर्द उसके कारण से कम नहीं होता।

इस कानून-विहीनता का सबसे भारी बोझ उन्हीं पर पड़ता है, जो पहले ही गरीबी ढो रहे हैं। आदिवासी, दलित और गरीब किसान जलवायु विस्थापन के सबसे असुरक्षित शिकार हैं। उनके लिए जमीन केवल संपत्ति नहीं, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और पीढ़ियों की पहचान है। जमीन जाने के साथ बच्चों की पढ़ाई, रोजी और समुदाय से जुड़ाव टूटता है। उनकी आवाज संसद तक पहुंचना कठिन है। चुनावी घोषणापत्रों में जलवायु विस्थापन का उल्लेख नहीं के बराबर है और सरकारी सर्वेक्षणों में भी यह प्राथमिकता नहीं बन पाया। जब विस्थापितों को कानून कोई नाम नहीं देता, तो उनके अधिकारों की मांग भी अनसुनी रह जाती है। यह केवल प्रशासनिक कमी नहीं, संवैधानिक समानता का गंभीर प्रश्न है।

अब राहत की घोषणा से आगे बढ़कर ऐसे कानून की जरूरत है, जो उजड़ने के बाद भी नागरिक को अकेला न छोड़े। समर्पित कानून जलवायु विस्थापितों को स्पष्ट पहचान दे, पंजीकरण करे, पुनर्वास को अधिकार बनाए और स्थायी फंड सुनिश्चित करे। भूमि खोने वालों को दस्तावेजी अड़चनों से राहत मिले तथा आवास, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था हो। अनुच्छेद 21 और राज्य के नीति-निर्देशक तत्व इसका संवैधानिक आधार दे सकते हैं। पंद्रहवें वित्त आयोग की सिफारिश के अनुरूप अलग कोष बनाया जा सकता है। कार्बन सेस और पर्यावरणीय जुर्मानों से भी संसाधन जुटाए जा सकते हैं। सवाल यह नहीं कि उपाय संभव हैं या नहीं; सवाल है कि राजनीतिक इच्छा कब पैदा होगी।

सवाल अब यह है कि हर साल उजड़ रहे लाखों लोगों की जिम्मेदारी कौन लेगा? वे किसी युद्ध के शरणार्थी नहीं, फिर भी विस्थापित हैं; उन्होंने जमीन बेची नहीं, फिर भी भूमिहीन हैं; उन्होंने शहर चुना नहीं, फिर भी पलायन को मजबूर हैं। नदी को दोष देकर राज्य अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। यदि कानून उन्हें पहचान नहीं देता, तो मुआवजा अपवाद और पुनर्वास एहसान बन जाता है। तब बाढ़ और कटाव महज प्राकृतिक आपदाएं नहीं रहते, वे संवैधानिक अन्याय की शक्ल लेते हैं। नदी जमीन छीन ले, यह प्रकृति की विवशता हो सकती है; लेकिन उसके साथ इंसान का अधिकार भी बह जाए, यह राज्य की विफलता होगी।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

व्यंग्य

नेता मार्केट

आजकल सारे बाजारों में मंदी बताई जा रही है, लेकिन एक बाजार पूरी तरह गर्म है। वो है सांसद और विधायकों की खरीद-फरोख्त का मार्केट, मतलब नेता मार्केट। छोटे-छोटे नेता भी बड़े-बड़े दाम में खरीदे जाते हैं, बस सरकार अल्पमत में होनी चाहिए। इस मार्केट में सस्ता, सुंदर और टिकाऊ का फार्मूला काम नहीं करता। यहां गिरता, सरेंडर और बिकाऊ का फार्मूला चलता है। भारत के मार्केट का अघोषित नियम है कि गिरती चीज ही बिकती है, इसलिए नेता को गिरता हुआ होना जरूरी है। उठता हुआ नेता नहीं बिकता, उठता हुआ सरेंडर भी नहीं करता, वो सरेंडर करवाने के चक्कर में रहता है। और टिकाऊ तो बिक ही नहीं सकता, क्योंकि टिकाऊ और बिकाऊ नदी के दो छोर हैं, दोनों एक नहीं हो सकते जब तक कि पानी कम न हो। खैर, हमें परिभाषाओं से क्या लेना-देना। मुद्दे की बात यह है कि नेता मार्केट में आजकल जबरदस्त उछाल है, फिर चाहे राज्य हो या केंद्र, जहां भी सरकार अल्पमत में हुई, वहीं बोली लगना शुरू। लेकिन इस मार्केट के भी कुछ उसूल हैं, आप खुश होइए कि राजनीति में अभी भी उसूल बाकी हैं। पहला नियम यह है कि आप सिर्फ अपने राज्य के विधायक ही खरीद सकते हैं। ऐसा नहीं कि महाराष्ट्र में विधायक नहीं बिक रहे तो आप बिहार से खरीद लाएं। यही नियम सांसदों पर भी लागू होगा, आप सिर्फ अपने देश के सांसदों को ही खरीद सकते हैं। आखिर देसी आइटम की बात ही अलग है। हर जगह इम्पोर्टेड माल थोड़े चलेगा। कल को आपने चाइना के सांसद खरीद लिए तो उनकी गारंटी कहां से लाएंगे? क्या पता दिल्ली आते ही फुस्स हो जाएं या इतना टिक जाएं कि लोकल माल ही बाजार से गायब हो जाए। भाई, दोनों स्थितियां देश के लिए नुकसानदायक हैं। हालांकि देश और राजनीति दो अलग चीजें हैं, लेकिन फिर भी कभी-कभी एक होना पड़ता है, जैसे तेज प्यास लगने पर शेर और बकरी एक ही घाट पर पानी पीते हैं। देश भी बकरी की तरह होता है। इसका दूध बड़ा ताकतवर होता है, लेकिन फिर भी इसे गरीबी की निशानी माना जाता है, इसलिए गांधीजी भी बकरी को बहुत पसंद करते थे, हमेशा अपने घर में ही बांधकर रखते थे। यूं तो बकरी को बड़े लाड़-प्यार से पाला जाता है, कभी-कभी उसे काजू-किशमिश-बादाम भी खिलाए जाते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा हलाल भी बकरी ही होती है। आखिर काजू-किशमिश कोई मुफ्त में थोड़े खिलाएगा, लेकिन भोली बकरी इतना समझती कहां है। वो तो मुफ्त के काजू में ही इतनी मगन हो जाती है कि हलाल होने का सोचे ही नहीं। आखिर उसका सोचना सही भी है, जो इतने प्यार से काजू खिलाएगा वो हलाल करेगा क्या? लेकिन यही चूक होती है, क्योंकि मुफ्त के माल का मजा ही ऐसा होता है कि बकरियां होश खो देती हैं। इन्हीं बकरियों से प्रेरणा लेकर हमारे माननीय नेतागण मुफ्त की रेवड़ी बांटते हैं। आखिर हमारी जनता भेड़-बकरियों से कम है क्या? मुफ्त की किशमिश-काजू मिल जाए तो किसी निकम्मे को वोट देने में देर नहीं करती। इसीलिए लाड़ली बहना, लाड़ला जीजा जैसी योजनाओं से झोला भरा रहता है माननीयों का। जब जो नाराज हो जाए उसके सामने खोल देते हैं और यदि माननीय खुद नाराज हो जाएं तो झोला उठाकर जाने की धमकी दे देते हैं। हालांकि जाते नहीं हैं, लेकिन भौकाल तो खड़ा कर ही देते हैं। और आजकल भौकाल का ही जमाना है। आप क्या हैं इसका कोई महत्व नहीं, आपका भौकाल कैसा है यह महत्वपूर्ण है। क्योंकि जिसका जितना भौकाल, उतना ही उसका रेट और जिसका रेट, वही रेटपेंट। इसलिए नेता मार्केट पूरी तरह गर्म है, अब देखते हैं यह गर्मी कब तक रहती है। हम इंतजार करेंगे कयामत तक... इसके अलावा हम कुछ कर भी नहीं सकते।

मुकेश 'कबीर'-विभूति फीचर्स

आंचलिक

जिला न्यायालय में किया गया मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया

जिसमें लगभग 350 न्यायालयीन स्टॉफ व अधिवक्ता हुए लाभान्वित हुए

अजय नलवाया (7879800048)

धार • दैनिक इंदौर संकेत

मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं श्रीमती ममता जैन, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में मंगलवार को जिला अभिभाषक संघ धार के सभाकक्ष में न्यायालय के सभी न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण, अभिभाषकगण एवं उनके परिवार हेतु एक दिवसीय मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर (मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर) का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य न्यायालय परिसर में कार्यरत सभी न्यायिक अधिकारियों और न्यायालयीन कर्मचारियों व उनके परिजनों

तथा अभिभाषकगण को बेहतर स्वास्थ्य उपलब्ध कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस शुभारंभ कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती ममता जैन, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष हितेष ठाकुर, विशेष न्यायाधीश श्रीमती मेरी माग्रेरट फ्रांसिस डेविड, सहित जिला मुख्यालय में पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रदीप सोनी, जिला अधिवक्ता संघ के सचिव संतोष जाट, जिला चिकित्सालय धार से डॉ. मनीष मोदी, डॉ. प्रतिक पटेल, डॉ. सागर गुप्ता, डॉ. हर्ष नारगा, डॉ. मोहित जाधव, डॉ. डिम्पी सिलावट, डॉ. शैफाली हाडिया, डॉ. अदिती बिटोरिया, डॉ. अदिती रावत, डॉ. वैशाली, डॉ. गौरव गुप्ता, डॉ. अंकित चौरसिया एवं उनकी टीम जिला न्यायालय के अधिकारी कर्मचारीगण एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहें।

उक्त मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में जिला चिकित्सालय के विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में उपस्थित चिकित्सा विशेषज्ञों ने मेडिसिन विशेषज्ञ, स्त्री रोग, अस्थि रोग, नेत्र रोग, दंत रोग, चर्म रोग एवं सामान्य चिकित्सा से संबंधित लगभग 350 लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण किए। आयोजन के अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के न्यायाधीश / सचिव श्री प्रदीप सोनी के द्वारा स्वास्थ्य विभाग की डॉक्टर टीम एवं पैरामेडिकल स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

बार एसोसिएशन चुनाव में टाई, दो अध्यक्ष बने, मुन्नालाल देवड़ा और लाल मोहम्मद शेख एक-एक साल संभालेंगे पद

दैनिक इंदौर संकेत

धार • धरमपुरी में 2026-27 के लिए बार एसोसिएशन का चुनाव पूरा हो गया। इसमें अध्यक्ष पद के लिए मुन्नालाल देवड़ा और लाल मोहम्मद शेख के बीच टाई हो गया। बाद में सर्वसम्मति से मुन्नालाल देवड़ा को अध्यक्ष चुना गया। मुन्नालाल देवड़ा और लाल मोहम्मद शेख दोनों एक-एक साल के लिए अध्यक्ष का पद संभालेंगे। इसके अलावा, उपाध्यक्ष के पद पर रोहित पाटीदार, सचिव मनोज गोयल, सह सचिव वरदान सेन और कोषाध्यक्ष सीमा गांव शिंदे को चुना गया। मंगलवार को हुए इस चुनाव में सभी वकीलों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुन्नालाल देवड़ा और लाल मोहम्मद शेख के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और दोनों को बराबर वोट मिले, जिससे टाई हो गया। इसके बाद बार एसोसिएशन ने सर्वसम्मति से मुन्नालाल देवड़ा को अध्यक्ष चुना। मुन्नालाल देवड़ा 2026 का पहला कार्यकाल संभालेंगे और लाल मोहम्मद शेख दूसरा कार्यकाल संभालेंगे।

अमझेरा में दो दिवसीय 'श्रीकृष्ण पर्व' का भव्य आयोजन

कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने किया स्थल निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

धार • मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से अमझेरा में 3 एवं 4 सितंबर 2026 को सायं 7 बजे से थाना परिसर के पीछे भव्य 'श्रीकृष्ण पर्व' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के सफल संचालन और तैयारियों का जायजा लेने के लिए कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने आज आयोजन स्थल का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे ऐतिहासिक एवं पौराणिक नगरी अमझेरा को भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी वरण से जुड़े प्रसंगों की साक्षी माना जाता है। संस्कृति संचालनालय के अनुसार, इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाना है। दो दिवसीय इस आयोजन में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

कार्यक्रम की मुख्य रूपरेखा

3 सितंबर 2026 (प्रथम दिवस)

कार्यक्रम की शुरुआत श्री हर्षित शर्मा एवं साथी (भोपाल) द्वारा 'श्रीकृष्ण लीला' पर आधारित नृत्य नाटिका से होगी। इसके पश्चात उज्जैन के सुविख्यात गायक शर्मा बंधु एवं साथी द्वारा मनमोहक भक्ति गायन प्रस्तुत किया जाएगा।

4 सितंबर 2026 (द्वितीय दिवस)

दूसरे दिन सुश्री दुर्गा मिश्रा एवं साथी (भोपाल) द्वारा 'रुक्मिणी वरण एवं विवाह' प्रसंग पर केंद्रित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। संध्या के अंतिम चरण में सुश्री आकृति सोनी एवं साथी (इंदौर) द्वारा भक्ति संगीत की प्रस्तुतियां दी जाएंगी।जिला प्रशासन ने क्षेत्र के सभी नागरिकों, कला प्रेमियों और धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आयोजन का लाभ उठाने की अपील की है।

सफाईकर्मियों को 10 माह से वेतन नहीं, जनसुनवाई में पहुंचे, कहा- परिवार चलाने में दिक्कत हो रही

दैनिक इंदौर संकेत

धार • जिले की नगर परिषद मांडव और नगर पालिका धरमपुरी के सफाई कर्मचारियों को कई महीनों से वेतन नहीं मिलने का मामला मंगलवार को जनसुनवाई में उठा। वाल्मीकि सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर संतोष कल्याणे के नेतृत्व में टीम ने जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर को आवेदन देकर रुके वेतन का जल्द भुगतान कराने की मांग की। संगठन के मुताबिक, मांडव के कर्मचारियों को करीब 6 महीने और धरमपुरी के कर्मचारियों को करीब 10 महीने से वेतन नहीं मिला है। संगठन ने आवेदन में बताया कि लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिवार का खर्च चलाने, बच्चों की पढ़ाई, दवाइयां, बिजली बिल और राशन जैसी जरूरी जरूरतों को पूरा करने में दिक्कत आ रही है। संतोष कल्याणे ने कहा कि सफाई कर्मचारी लगातार अपना काम कर रहे हैं, लेकिन महीनों तक वेतन नहीं मिलना गंभीर समस्या है। उन्होंने कलेक्टर से रुका हुआ वेतन जल्द दिलाने की मांग की। कलेक्टर ने टीम को मामले की जल्द जांच कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया पूरी होने के बाद कर्मचारियों को वेतन दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। संतोष कल्याणे ने कहा कि जांच और आश्वासन के बाद भी यदि कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला तो संगठन इस मुद्दे पर बड़ा आंदोलन करेगा।

जनसुनवाई में निगम के 40% केस, कमिश्नर गैरहाजिर, पुलिस के मामले भी कलेक्ट्रेट आ रहे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • मंगलवार को हुई जनसुनवाई में उन विभागों के मुख्य अधिकारी ही नदारद रहे, जिनसे जुड़ी सबसे ज्यादा शिकायतें कलेक्टर के पास पहुंचती हैं। नगर निगम से संबंधित करीब 40 प्रतिशत मामले जनसुनवाई में आते हैं, लेकिन लंबे समय से निगम कमिश्नर प्रियंका राजावत के जनसुनवाई में नहीं पहुंचने की बात सामने आई है। उनकी जगह डिप्टी कमिश्नर तो दूर, बाबू स्तर के कर्मचारियों को भेजा जा रहा है। इससे शिकायतों के मौके पर निराकरण के बजाय उनकी पेंडेंसी बढ़ती जा रही है। वहीं पुलिस से जुड़ी शिकायतें भी लगातार कलेक्टर के पास पहुंच रही हैं। जनसुनवाई में नगर निगम से जुड़ी शिकायतों की संख्या सबसे ज्यादा बताई जा रही है। करीब 40 प्रतिशत मामले निगम से संबंधित होने के बावजूद निगम कमिश्नर प्रियंका राजावत लंबे समय से जनसुनवाई में मौजूद नहीं हैं। उनकी जगह जनसुनवाई में निगम की ओर से ऐसे कर्मचारियों को भेजा जा रहा है, जो मौके पर शिकायतों का प्रभावी निराकरण नहीं कर पाते। शिकायतकर्ताओं को संबंधित अधिकारी के पास भेजने या मामले की जानकारी लेने तक सीमित रहने से कई शिकायतों का समाधान नहीं हो पा रहा है। इसका असर लंबित मामलों की संख्या पर भी दिखाई दे रहा है।

जनसुनवाई में पुलिस से जुड़े मामले भी कलेक्टर ऋषव गुप्ता के सामने पहुंच रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि पुलिस स्तर पर समय पर सुनवाई नहीं होने के कारण उन्हें जनसुनवाई का सहारा लेना पड़ रहा है। कई मामलों में पुलिस द्वारा आवेदन लेने के बाद भी आगे की कार्रवाई नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। जनसुनवाई में पहुंची सिमरन खनूजा ने कलेक्टर ऋषव गुप्ता को बताया कि 14 जुलाई को वह स्कूल से घर लौट रही थीं। इसी दौरान पदमनगर थाना क्षेत्र के स्मार्ट सिटी गेट पर एक लोडिंग ऑटो ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई और सिमरन को भी गंभीर चोटें आईं। उन्होंने मामले की शिकायत पदमनगर पुलिस से की थी। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली, लेकिन इसके बाद आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई।

अल्काराज रशियन खिलाड़ी को हराकर यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचे

न्यूयॉर्क (एजेंसी) ● यूएस ओपन 2026 में गत विजेता कार्लोस अल्काराज ने 139 दिन बाद सिंगल्स कोर्ट पर जीत के साथ वापसी की। अल्काराज कलाई की चोट के कारण चार महीने से ज्यादा समय तक टेनिस से दूर थे। स्पेन के खिलाड़ी ने न्यूयॉर्क के आर्थर एश स्टेडियम में रूस के रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। अल्काराज ने चोट के कारण इस दौरान फ्रेंच ओपन और विंबलडन में हिस्सा नहीं लिया था। मैच के दौरान वह दाहिने हाथ पर कम्प्रेशन स्लीव पहनकर खेले। अल्काराज की वापसी जीत शानदार रही, लेकिन सर्विस में उन्हें संघर्ष करना पड़ा।

कार्लोस अल्काराज 2004 से 2008 के बीच लगातार पांच बार खिताब जीतने वाले रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन पुरुष सिंगल्स का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं। अल्काराज के लिए इस बार फाइनल तक पहुंचने की राह पहले के मुकाबले आसान हो गई है। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर घुटने की समस्या के कारण टूर्नामेंट में नहीं हैं, जबकि 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच पहले ही दौर में अर्जेंटीना के मारियानो नवोने से हारकर बाहर हो चुके हैं। छठी ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने चीन की वांग शियू को 6-2, 6-3 से हराकर शुरुआत की। विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने अमरीका की केटी वोलीनेट्स को 7-5, 6-1 से हराया। वहीं, पिछले साल यूएस ओपन की रनर-अप अमांडा अनिसिमोवा ने अपने 25वें जन्मदिन पर एशलिन क्रूगर को 6-1, 6-3 से शिकस्त दी।

लाबुशेन वनडे टीम से बाहर, जिम्बाब्वे-साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए नहीं मिली एंट्री

मेलबोर्न (एजेंसी) ● ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं, जोएल डेविस पहली बार वनडे टीम में चुने गए हैं। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की वापसी हुई है, जबकि पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। लाबुशेन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम का हिस्सा रहे हैं। सिलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा कि जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका में होने वाली छह मैचों की सीरीज अगले साल के वर्ल्ड कप की तैयारी के लिहाज से महत्त्वपूर्ण है। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे के बीच तीन वनडे 15, 18 और 20 सितंबर को हरारे में खेले जाएंगे। इसके बाद साउथ अफ्रीका में 24 सितंबर को डरबन, 27 सितंबर को जोहान्सबर्ग और 30 सितंबर को पोटचेफस्ट्रूम में तीन वनडे होंगे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे मैचों में मार्श टीम की कप्तानी करेंगे। रेगुलर कप्तान पैट कमिंस साउथ अफ्रीका सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। हालांकि कमिंस ने संकेत दिया है कि वे साउथ अफ्रीका के सभी तीन वनडे नहीं खेलेंगे, ऐसे में मार्श फिर कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

लिवरपूल से खेलेंगे डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो

लंदन (एजेंसी) ● इंग्लिश फुटबॉल क्लब लिवरपूल ने आगामी 2026-27 सीजन के लिए बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो को अपने साथ जोड़ा है। लिवरपूल को उम्मीद है कि अराउजो के आने से उनकी रक्षापंक्ति मजबूत होगी। लिवरपूल ने अराउजो को एक सत्र के लिए कर्ज पर लिया है। अराउजो मूल रुप से उरुग्वे के है और उनके आने से क्लब के अपनी रक्षापंक्ति और बेहतर होनी की उम्मीद है। लिवरपूल ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इस समझौते की पुष्टि की, जिसके तहत 27 वर्षीय अराउजो लिवरपूल के साथ जुड़ेंगे। अराउजो ने इस कदम पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह एक ऐसे बड़े क्लब के लिए खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं जिसका इतिहास और पहचान विशाल है। उन्होंने बताया कि जैसे ही लिवरपूल की रुचि सामने आई, बातचीत तेजी से आगे बढ़ी और उन्हें लगा कि यह उनके करियर के इस पड़ाव पर एक आदर्श फैसला है। अराउजो ने कहा कि वह अपने नए साथियों से मिलने के साथ ही जल्द से जल्द मैदान पर उतरना चाहते हैं। अराउजो साल 2018 में बार्सिलोना का हिस्सा बने थे, जहां उन्होंने शुरुआत क्लब की बी टीम से की।

एक की जीत का असर बहुत बड़ा होता है : कनिका ढिल्लो

मुंबई (एजेंसी) ● निर्माता कनिका ढिल्लो ने फिल्म उद्योग में महिलाओं के एक-दूसरे का साथ देने और उनकी सफलता का जश्न मनाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा है कि एक महिला की जीत से कई अन्य महिलाओं के लिए अवसरों के दरवाजे खुलते हैं। कनिका ने कथा पिक्चर्स और डब्ल्यूआईएफ इंडिया की ओर से आयोजित वीमेन बिल्डिंग सिनेमा टुगेदर पैनल चर्चा में अभिनेत्री तापसी पन्नू और ऑस्कर विजेता प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा कपूर के साथ महिला नेतृत्व, महिला-केंद्रित सिनेमा और उद्योग में महिलाओं के लिए मजबूत रचनात्मक नेटवर्क की जरूरत पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जब लोग मुझसे पूछते हैं कि इतनी कॉम्प्लेक्स, स्ट्रॉन्ग और रेयर महिला कहां से आती है, तो मैं कहती हूं कि वह मेरे आसपास ही हैं। एक सामान्य महिला सिर्फ एक डायमेंशन वाली नहीं होती और न ही उसे किसी मदद की जरूरत है। हम बहुत सक्षम हैं। इस इंडस्ट्री में एक महिला प्रोफेशनल के तौर पर आपको दूसरी महिलाओं के प्रति ज्यादा दयालु होना पड़ता है। बहुत से लोग उन्हें नीचे खींचना चाहते हैं, इसलिए आपको उन्हें सेलिब्रेट करना चाहिए। कनिका ने कहा कि हममें से किसी एक की जीत का महत्व जितना आप सोच सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा बड़ा है।

शहनाज़ 'सिंह वर्सेस कौर 2' में निभाएंगी जसनीत का किरदार

मुंबई (एजेंसी) ● आगामी फिल्म 'सिंह वर्सेस कौर 2' को लेकर अभिनेत्री शहनाज गिल ने बताया कि जब उन्होंने सालों पहले मूल फिल्म 'सिंह वर्सेस कौर देखी थी, तभी उनके मन में इस फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा बनने की इच्छा पैदा हुई थी। शहनाज़ गिल के लिए यह फिल्म सिर्फ एक नई फिल्म नहीं, बल्कि वर्षों पुराने सपने के सच होने जैसा खास मौका है। अब मूल फिल्म के करीब 13 साल बाद उनकी यह इच्छा पूरी हो गई है और वह फिल्म के सीक्वल में जसनीत कौर के किरदार में नजर आएंगी। हाल ही में जारी फिल्म के ट्रेलर में शहनाज़ गिल नए अंदाज में दिखाई दी हैं। फिल्म में उनका किरदार उन्हें एक अलग सिनेमाई दुनिया में ले जाता है, जहां उन्हें रोमांस, कॉमेडी, एक्शन और मनोरंजन के कई रंगों को पर्दे पर पेश करने का अवसर मिला है। शहनाज़ लगातार ऐसे किरदारों का चुनाव कर रही हैं, जिनके जरिए वह एक कलाकार के रूप में अपनी अभिनय क्षमता के नए पहलुओं को तलाश सकें। 'सिंह वर्सेस कौर 2' के साथ फ्रेंचाइज़ी की कहानी और कैनवास भी पहले से बड़ा हो गया है। वर्ष 2013 में आई मूल फिल्म जहां स्थानीय परिवेश से जुड़ी रोमांटिक कॉमेडी थी, वहीं सीक्वल की कहानी पंजाब से कोलकाता और फिर कनाडा तक पहुंचती है। इस तरह फिल्म को बहु-देशीय स्तर का विस्तार दिया गया है।

उज्जैन संभाग

फ्रीगंज टावर चौराहे पर गणेश प्रतिमा का आगमन आतिशबाजी और ढोल-डीजे पर झूमे युवा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● शहर में मंगलवार को फ्रीगंज टावर चौराहे पर गणेश प्रतिमा लाई गई। कलालसेरी के युवराज गणेशोत्सव समिति ने यह कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें बड़ी संख्या में युवा और श्रद्धालु शामिल हुए। गणेश प्रतिमा के आगमन के लिए टावर चौराहे पर विशेष ट्रस्ट बनाया गया था। यहां आतिशबाजी की गई। डीजे और ढोल की धुन पर धार्मिक भजनों के बीच युवाओं ने नृत्य किया। समिति सदस्य प्रीतम गुप्ता ने बताया कि यह उनके 'लालबाग के राजा' का आगमन है। समिति पिछले 10 साल से गणेश जी की स्थापना कर रही है। इस साल आगमन का आयोजन दूसरी बार किया गया है। गणेश प्रतिमा उज्जैन के कलाकारों ने तैयार की है। इसकी कीमत करीब 1 लाख 80 हजार रुपए बताई गई है।

नेशनल हाईवे 7 महीने में दूसरी बार धंसा, उज्जैन-गरौठ रूट का आधा किमी हिस्सा तोड़ना पड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन-गरौठ नेशनल हाईवे 7 महीने में दूसरी बार धंस गया। देवास रोड स्थित रेलवे ब्रिज के पास करीब 500 मीटर हिस्सा तकनीकी खामी के चलते बैठ गया। 2600 करोड़ रुपए की लागत से बने हाईवे के इस हिस्से को एनएचएआई अब तोड़कर दोबारा बनाएगा। 6 फरवरी को 200 मीटर हिस्सा धंसने के बाद अब पूरे प्रभावित हिस्से का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी जीवीआर ने सोमवार से खुदाई शुरू कर दी है। इससे हाईवे के हैंडओवर और ट्रैफिक शुरू होने में देरी हो सकती है। दो दिन पहले ब्रिज के पास मटेरियल गिरने का वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद हाईवे की गुणवत्ता पर सवाल उठे। तकनीकी जांच में खामी मिलने के बाद संबंधित हिस्से को तोड़कर दोबारा बनाने का फैसला लिया गया।

जीवीआर के सीनियर इंजीनियर अमित राय के मुताबिक आईआईटी दिल्ली की जांच में 100 से 200 मीटर हिस्से में तकनीकी समस्या सामने आई थी। भविष्य में दोबारा धंसने का जोखिम न रहे, इसलिए करीब 500 मीटर का पूरा हिस्सा खोलकर जमीन से नए सिरे से बनाया जा रहा है।

करीब एक साल पहले पूरी होनी थी यह परियोजना अब भी अधूरी है। हाईवे के दो पैकेज पूरे हो चुके हैं, लेकिन चंदेसरी से खेड़ा खजूरिया के बीच 41 किलोमीटर हिस्सा अभी बाकी है। करीब 900 करोड़ रुपए की लागत वाला यह पैकेज जीवीआर कंस्ट्रक्शन कंपनी बना रही है।

रेलवे ओवरब्रिज और सड़क का काम दिसंबर तक पूरा करने की तैयारी थी, लेकिन अब धंसे हिस्से के पुनर्निर्माण से प्रोजेक्ट में और देरी की आशंका है। आगामी सिंहस्थ को देखते हुए इस मार्ग को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एनएचएआई उज्जैन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर शिवम शर्मा ने कहा कि तकनीकी जांच के बाद धंसे हिस्से को दोबारा बनवाया जा रहा है, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने। विभाग की कोशिश है कि 31 मार्च तक हाईवे पर ट्रैफिक शुरू करा दिया जाए।

मस्जिद का हिस्सा हटाने पहुंचा प्रशासन, मुस्लिम समाज ने किया विरोध

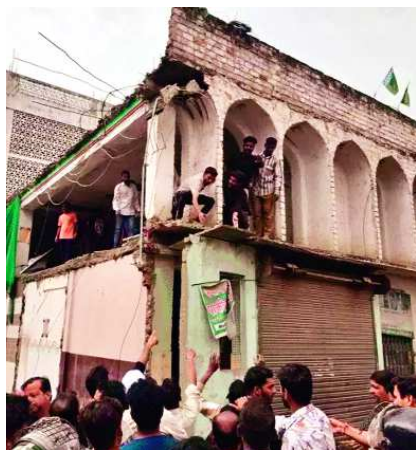

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ की तैयारियों के तहत मंगलवार को केडी गेट क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण की कार्रवाई के दौरान मदीना मस्जिद और जमीयतुल कुरैश कस्साबान मस्जिद के हिस्से को हटाने के लिए प्रशासन की टीम दोबारा पहुंची। जेसीबी से कार्रवाई शुरू होते ही मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध किया। इस दौरान पुलिस से बहस और कहासुनी हुई। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। मस्जिद कमेटी से जुड़े शाहिद खान ने बताया कि यह मस्जिद करीब 100 से 150 साल पुरानी है। समाज ने सड़क चौड़ीकरण में सहयोग करते हुए दुकानों का हिस्सा भी दिया है। उनकी मांग है कि मस्जिद का करीब 2 से 3 फीट हिस्सा बचाया जाए। मदीना मस्जिद और जमीयतुल कुरैश कस्साबान से जुड़े प्रभावित हिस्से को लेकर भी समाज के लोग मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने प्रशासन के सामने अपनी बात रखी। शहर काजी खलिकुर्रहमान ने बताया कि प्रशासन के साथ बैठकर पूरे मामले पर चर्चा की जाएगी। बैठक में जो निर्णय लिया जाएगा, उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई होगी। कार्रवाई के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी और पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन और मुस्लिम समाज के बीच बातचीत के बाद फिलहाल आगे की कार्रवाई रोक दी गई है। सिंहस्थ की तैयारियों के तहत केडी गेट रोड के चौड़ीकरण की कार्रवाई आगे भी जारी रहने की संभावना है। लोगों ने इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की। इस दौरान कार्रवाई को लेकर कई बिंदुओं पर बातचीत हुई। चर्चा के बाद कुछ प्रमुख मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच आम सहमति बनने की बात सामने आई है। हालांकि, शाम होने के कारण नगर निगम की कार्रवाई को फिलहाल रोक दिया गया।

सड़क की क्वालिटी खुद चेक करूंगी : गायत्री राजे पवार

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● गजरा गियर चौराहे से बीएनपी गेट तक सड़क बनाने का काम शुरू हुआ है। भाजपा विधायक गायत्री राजे पवार ने इसका भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने सड़क बनाने वाले ठेकेदार को गुणवत्ता को लेकर साफ निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि नगर निगम भी सड़क की गुणवत्ता की जांच करेगा। इसके साथ ही वे खुद भी मौके पर आकर काम की गुणवत्ता देखेंगी। उन्होंने ठेकेदार से कहा- यह बहुत अहम रास्ता है। इसे भी हमें सुंदर बनाना है। अब इसकी जिम्मेदारी ठेकेदार की है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका पूरा ध्यान ठेकेदार के काम पर रहेगा। गुणवत्ता पर पूरा ध्यान दिया जाएगा। विधायक ने सड़क बनाने में अच्छी सामग्री और तय गहराई का खास ध्यान रखने को कहा। उन्होंने जोर देकर कहा कि अच्छा माल इस्तेमाल होगा और जितने इंच की सड़क बननी है, उसकी गहराई सही होनी चाहिए।

30 हजार के कर्ज के बदले मांगे 1.50 लाख, परिवार को धमकाने वाला साहूकार तीन साथियों समेत गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

खातेगांव ● कर्ज की रकम वसूलने के लिए एक परिवार को धमकाने, मारपीट करने और जबरन उठाकर ले जाने की धमकी देने के आरोप में कन्नौद पुलिस ने साहूकार सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से एक कार और तीन धारदार खटकेदार चाकू जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, कन्नौद की एक गरीब बस्ती में रहने वाले व्यक्ति ने शिकायत की है। उसने बताया कि पत्नी और बच्चों की तबीयत खराब होने पर उसने शुजालपुर के भीमपुरा निवासी हसीब उर्फ रहमान से 30 हजार रुपए उधार लिए थे। फरियादी ने कहा कि वह अब तक करीब 60 हजार रुपए चुका चुका है, इसके बाद भी हसीब उससे डेढ़ लाख रुपए मांग रहा था।

फरियादी ने बताया कि पैसे देने से मना करने पर उसे पत्नी और बच्चों को उठाकर ले जाने और जान से मारने की धमकी दी गई। डर के कारण वह शुजालपुर छोड़कर कन्नौद में किराए के घर में रहने लगा। आरोप है कि 30 अगस्त की रात हसीब उर्फ रहमान अपने तीन साथियों आशिक, आरिफ और अशोक के साथ कार से उसके कन्नौद स्थित घर पहुंचा। चारों ने हथियारों के बल पर डेढ़ लाख रुपए की मांग की। विरोध करने पर फरियादी से मारपीट की गई। बीच-बचाव करने पर उसकी पत्नी और बच्चों से भी मारपीट की गई। साथ ही महिला और बच्ची को जबरन साथ ले जाने की कोशिश की गई। शिकायत के बाद कन्नौद पुलिस ने अवैध वसूली, सूदखोरी, अड़बाजी और आर्म्स एक्ट सहित कई धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपियों को ढूंढना शुरू किया। पुलिस टीमों ने घेराबंदी कर कार को रोका और उसमें बैठे चारों आरोपियों को पकड़ा।

13 सितंबर को रातभर खुला रहेगा खजराना गणेश का दरबार

सवा लाख मोदक का लगेगा महाभोग, 6 करोड़ के स्वर्ण आभूषणों से होगा श्रृंगार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● गणेश चतुर्थी को लेकर जहां शहर में पंडाल सजाए जा रहे हैं और गणेश प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं, वहीं खजराना गणेश मंदिर में भी गणेशोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। मंदिर में होने वाले आयोजनों, भगवान के श्रृंगार, सजावट, प्रसाद और भोग, लाइटिंग, भक्तों की दर्शन व्यवस्था और पुलिस व्यवस्था सहित अन्य तैयारियां की जा रही हैं।

इस बार भी गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को सवा लाख मोदकों का भोग लगाया जाएगा। गणेशोत्सव का शुभारंभ 14 सितंबर को सुबह 10 बजे ध्वजा पूजन के साथ होगा। कलेक्टर एवं मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शिवम वर्मा और निगम कमिश्नर एवं मंदिर के प्रशासक क्षितिज सिंघल ध्वजा पूजन करेंगे।

सवा लाख मोदक बनाने का काम भी जल्द मंदिर परिसर में शुरू होगा। गणेशोत्सव के दौरान दूर-दूर से बड़ी संख्या में भक्त भगवान गणेश के दर्शन और आशीर्वाद के लिए मंदिर पहुंचते हैं। गणेशोत्सव से एक दिन पहले हरतालिका तीज को लेकर भी मंदिर में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित अशोक भट्ट ने बताया कि 13 सितंबर को हरतालिका तीज पर मंदिर रातभर भक्तों के दर्शन के लिए खुला रहेगा। यानी मंदिर 24 घंटे खुला रहेगा।

80 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों से नजर, 100 सुरक्षा गार्ड तैनात-उन्होंने बताया कि गणेशोत्सव को देखते हुए मंदिर में विशेष इंतजाम किए गए हैं। मंदिर के गर्भगृह के मुख्य गेट को पहले ही चौड़ा किया जा चुका है। साथ

ही मंदिर के सामने बने सभामंडप को डेढ़ फीट नीचे कर दिया गया है। इससे यहां आने वाले भक्तों को भगवान के दर्शन करने में आसानी होगी।

भक्तों की भीड़ को देखते हुए जिक-जैक रेलिंग भी बढ़ाई जाएंगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। पूरे मंदिर परिसर में 80 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जाएगी। व्यवस्था के लिए चार थानों का पुलिस बल भी तैनात रहेगा। मंदिर प्रबंधन समिति के 30 सुरक्षा गार्ड यहां नियमित रूप से तैनात रहते हैं। गणेशोत्सव के दौरान इनकी संख्या बढ़ाकर 100 की जाएगी।

6 दिन में पूरा होगा मोदक बनाने का काम-श्री सिद्धि विनायक भक्त मंडल के अरविंद बागड़ी और कैलाश पंच ने बताया कि मंदिर की परंपरा के अनुरूप भक्त मंडल की ओर से गणेशोत्सव के पहले दिन सवा लाख मोदकों का भोग भगवान गणेश को समर्पित किया जाएगा।

6 करोड़ से ज्यादा के स्वर्ण आभूषणों से होगा श्रृंगार

गणेशोत्सव के दौरान भगवान गणेश का रोजाना भव्य श्रृंगार किया जाएगा। भगवान को स्वर्ण आभूषण पहनाए जाएंगे। इन स्वर्ण आभूषणों की कीमत 6 करोड़ रुपए से ज्यादा है। आभूषणों को पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ मंदिर में लाया जाता है। इसके बाद भगवान गणेश को ये स्वर्ण आभूषण धारण कराए जाते हैं। यह श्रृंगार विशेष होता है। पूरे 10 दिनों तक भगवान के अलग-अलग स्वरूपों में श्रृंगार देखने को मिलेगा।

सवा लाख मोदक का भोग, आरती के समय लगेगा 11 हजार लड्डुओं का भोग

पंडित अशोक भट्ट ने बताया कि गणेशोत्सव पर हर साल मंदिर में भगवान गणेश को सवा लाख मोदकों का भोग लगाया जाता है। इस साल भी सवा लाख मोदक भगवान को अर्पित किए जाएंगे। इसके अलावा 10 दिनों तक शाम की आरती के समय अलग-अलग प्रकार के 11 हजार लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। इसमें सोंठ, ड्रायफ्रूट, उड़द आदि के लड्डू शामिल होंगे। आरती के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने इंदौर के 6 हजार 906 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 17 करोड़ 26 लाख 50 हजार की राशि अंतरित की

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में पूरे प्रदेश के लगभग 1.22 लाख विद्यार्थियों के खातों में लैपटॉप के लिए 304.98 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। इसके तहत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर जिले के 6 हजार 906 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 17 करोड़ 26 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की। प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को मिली 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई है। इसमें से सांवेर विधानसभा में 436 बच्चों को एक करोड़ 9 लाख की राशि वितरित की गई है। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का आभार व्यक्त किया है।

निगम मुख्यालय के सामने दो मंजिल अवैध निर्माण, जिम्मेदारों को भनक तक नहीं

न्यू जींस होम पर निगम के अमले ने ड्रिल से चौथी और पांचवीं मंजिल के पक्के निर्माण तोड़े

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम मुख्यालय के ठीक सामने नेताजी सुभाष मार्ग पर दो मंजिल का अवैध निर्माण खड़ा हो गया और जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। मंगलवार को निगम के रिमूवल अमले ने न्यू जींस होम शॉप की इमारत की चौथी और पांचवीं मंजिल पर किए गए अवैध निर्माण पर कार्रवाई शुरू की।

न्यू जीस होम की इमारत मुख्य सड़क से सटी होने के साथ ही बेहद कम जगह में बनी हुई है। ऐसे में भारी मशीनरी के बजाय निगम के रिमूवल अमले ने ड्रिल मशीन का इस्तेमाल करते हुए पक्की छत और अन्य अवैध निमांण को तोड़ने की कार्रवाई

की। टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध हिस्से को चिह्नित किया और इसके बाद ड्रिल मशीन से छतों को तोड़ना शुरू किया। बताया गया कि भवन की चौथी और पांचवीं मंजिल पर बिना अनुमति निर्माण किए जाने की शिकायत निगम तक पहुंची थी। जांच के बाद रिमूवल कार्रवाई की तैयारी की गई। मंगलवार को अधिकारी और कर्मचारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई के दौरान सड़क पर लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। किसी तरह का विरोध या विवाद न हो, इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा।

अफसरों पर उठे सवाल

निगम की कार्रवाई के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिस इमारत में दो अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण हो गया, वह भी निगन मुख्यालय के सामने, वहां निर्माण के दौरान निगरानी करने वाले अधिकारी क्या कर रहे थे? शहर के दूसरे हिस्सों में अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने वाले निगम के लिए मुख्यालय के सामने हुआ यह निर्माण उसकी मॉनिटरिंग व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि निगम अधिकारियों का कहना है कि भवन निर्माण नियमों का उल्लंघन मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार की कार्रवाई के बाद व्यावसायिक भवनों में बिना अनुमति अतिरिक्त निर्माण करने वालों में भी हड़कंप की स्थिति है।

यातायात की समस्या के लिए आईडीए आया आगे, बनाएगा दो बड़े फ्लाईओवर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) बोर्ड की बैठक में मंगलवार को कई अहम फैसले हुए। इसमें ट्रैफिक समस्या से जूझ रहे शहर के दो व्यस्त चौराहों पर फ्लाईओवर को मंजूरी के साथ ही एरोसिटी प्रोजेक्ट को भी मंजूर किया गया।

इंदौर विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक मंगलवार एक सितंबर को हुई। संभागायुक्त सह अध्यक्ष आईडीए भास्कर लक्षकार की अध्यक्षता में कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। खासकर ट्रैफिक की समस्या पर ध्यान देते हुए दो अहम फ्लाईओवर को मंजूरी मिली, जिसकी कुल लागत 170 करोड़ रूपए होगी।

यहां बनेगी एरोसिटी, मिली मंजूरी-वहीं तय हुआ कि आईडीए की योजना क्रमांक 151-169-बी में टी.सी.एस./ इन्फोसिस को दिए गए भूमि के बदले शासन से स्कीम 172 के समीप मिली जमीन पर एरोसिटी बनेगी। एरोसिटी के रूप में विकसित करने और इस भूमि से एयरपोर्ट तक 75.00 मीटर चौडा, 1.5 कि.मी. लंबाई मार्ग के निर्माण के लिए भी 52.61 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

रोबोट और रेडिसन पर मिलेगी जाम से मुक्ति

बोर्ड ने पूर्वी रिंग रोड स्थित रेडीसन चौराहा, इन्दौर पर प्रस्तावित फ्लाय ओव्हर निर्माण के लिए 76.59 करोड़ की मंजूरी दी। वहीं इसी रोड पर रोबोट चौराहे फ्लाईओवर के लिए 94.18 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। इसी तरह एबी रोड बायपास से टीपीएस-05 को जोडने वाली मास्टर प्लान एम.आर.-09 के लिए भी 6.56 करोड़ की भी मंजूरी दी गई।

शिक्षक पात्रता परीक्षा पर नेता प्रतिपक्ष की मांग

लाखों शिक्षकों के हित में विजय शाह की तरह टीईटी रद्द करने का फैसला करे कैबिनेट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी की अनिवार्यता को लेकर मध्यप्रदेश से दिल्ली तक शिक्षकों का आंदोलन तेज हो गया है। लंबे समय से सरकारी स्कूलों में सेवाएं दे रहे शिक्षक अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद टीईटी की अनिवार्यता से राहत की मांग कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस भी शिक्षकों के समर्थन में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने सरकार से मांग की है कि जिस तरह मंत्री विजय शाह के मामले में अभियोजन की मंजूरी को लेकर कैबिनेट में प्रस्ताव लाया गया, उसी तरह प्रदेश के लाखों शिक्षकों को राहत देने के लिए कैबिनेट की बैठक में टीईटी को रद्द करने का प्रस्ताव लाया जाए।

जौरा विधायक की मांग विशेष सत्र बुलाया जाए-जौरा से कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने इससे एक कदम आगे बढ़ते हुए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। उनका कहना है कि लंबे समय से सरकारी स्कूलों में पढ़ा रहे शिक्षकों के भविष्य से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर सरकार को सदन में चर्चा कर ठोस फैसला लेना चाहिए।

कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि जिन शिक्षकों की नियुक्ति उस समय लागू नियमों के तहत हुई थी, जब उनके लिए टीईटी अनिवार्य नहीं थी, उनसे अब वर्षों की नौकरी के बाद दोबारा पात्रता परीक्षा पास करने की शर्त लगाना न्यायसंगत नहीं है। खासकर ऐसे शिक्षकों के लिए यह बड़ी चिंता का विषय है, जिन्होंने 15 से 20 वर्ष या उससे भी अधिक समय तक सरकारी स्कूलों में सेवा दी है।

डिजिटल सिग्नेचर से सीसीई के अंकों की सूक्ष्म निगरानी

15 तक ऑनलाइन भेजने है अंक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● डीएवीवी से संबद्ध महाविद्यालयों में सत्र 2025-26 के बीएबीएड विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक, प्रोजेक्ट और आंतरिक परीक्षाओं से जुड़े अंकों को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है।

संबंधित कक्षाओं की आंतरिक एवं प्रायोगिक परीक्षाएं विद्यार्थियों की भौतिक उपस्थिति में करवाई जाएगी और उनके अंक निर्धारित समयसीमा में ऑनलाइन भेजना अनिवार्य रहेगा। सीसीई के अंकों को लेकर भी विश्वविद्यालय ने विशेष व्यवस्था की है। विभागाध्यक्ष के डिजिटल सिग्नेचर के माध्यम से सीसीई के अंकों की सूक्ष्म निगरानी की जाएगी। यदि विभागाध्यक्ष का डिजिटल सिग्नेचर निष्क्रिय है तो ऐसी स्थिति में सीसीई अंकों की निगरानी प्राचार्य के डिजिटल सिग्नेचर के माध्यम से की जाएगी। नियमानुसार करे परीक्षा: विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो अशेष तिवारी की ओर से जारी पत्र के अनुसार सत्र 2025-26 की बीएबीएड के द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर ओर बीएबीएड पांचवे ओर सातवें सेमेस्टर के नियमित, भूतपूर्व और एटीकेटी प्राप्त विद्यार्थियों के सीसीई/प्रायोगिक एवं प्रोजेक्ट अंकों के संबंध में यह निर्देश जारी किए गए हैं।

हार्ड कॉपी भी भेजना जरूरी

अंक ऑनलाइन दर्ज करने के साथ ही महाविद्यालयों को अंक की एक प्रति हार्ड कॉपी में भी विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर सेंटर, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को भेजना है। यह भी कहा है कि ऑनलाइन प्रक्रिया में अंक प्राप्त नहीं होने की स्थिति में विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम रुकने की जिम्मेदारी संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य की रहेगी।

पीएचडी की 400 सीटों के लिए दो सप्ताह में आवेदन प्रक्रिया संभव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) में दिसंबर सत्र के लिए पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया की तैयारियां तेज हो गई हैं। विश्वविद्यालय में करीब 400 सीटों पर प्रवेश के लिए अगले दो सप्ताह में आवेदन प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है। प्रवेश परीक्षा नवंबर के अंतिम सप्ताह या दिसंबर के पहले सप्ताह में आयोजित कराने की तैयारी है। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा आयोजन के लिए जल्द टेंडर जारी किया जाएगा। डीएवीवी की वेबसाइट पर जून 2026 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया और उससे जुड़े परिणाम व आरएसी संबंधी सूचनाएं भी जारी हैं। परीक्षा नियंत्रक एवं प्रभारी डॉ. अशेष तिवारी के अनुसार, प्रवेश परीक्षा का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में नियमानुसार वर्ष में दो बार जून और दिसंबर सत्र में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया होती है।

पिछली प्रक्रिया की 230 सीटें भी खाली

पिछली पीएचडी प्रवेश परीक्षा और विभागीय इंटरव्यू के बाद करीब 230 सीटें खाली रह गई हैं। इन सीटों को भरने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर विभागों को अभ्यर्थियों से संपर्क करने के निर्देश दिए गए हैं। इतिहास, संस्कृत और भूगोल जैसे पारंपरिक विषयों में अभ्यर्थियों की रुचि अपेक्षाकृत कम रही, जबकि कॉमर्स और मैनेजमेंट में शोध करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होने से सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा रही। हालिया रिपोर्ट के अनुसार पिछली नॉन-डीईटी प्रक्रिया में 601 सीटों में से 451 सीटें खाली रहने की स्थिति बनी थी।

प्रॉपर्टी बाजार ने पकड़ी रफ्तार, प्लॉट की खरीद में आया 12% उछाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री का कारोबार लगातार गति पकड़ रहा है। रजिस्ट्रार कार्यालय के अगस्त के आंकड़े बताते हैं कि प्लॉट की खरीदी में सबसे ज्यादा तेजी आई है। शहर और आसपास के इलाकों में जमीन में निवेश करने का रुझान बढ़ा है। हालांकि, पंजीयन की संख्या बढ़ने के बावजूद राजस्व के मामले में विभाग अपने मासिक लक्ष्य से पीछे रहा।

अगस्त में रजिस्ट्रार कार्यालय ने करीब 284 करोड़ रुपए राजस्व का लक्ष्य निर्धारित किया था, जबकि इसके मुकाबले लगभग 220 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। यानी विभाग को लक्ष्य से करीब 64 करोड़ रुपए कम राजस्व मिला। इस दौरान 12,300 से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन हुआ। रजिस्ट्रार कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार अगस्त में प्लॉट की खरीद-बिक्री में करीब 11 से 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। प्रॉपर्टी बाजार में इसे सबसे महत्वपूर्ण बढ़ोतरी माना जा रहा है। शहर के विस्तार, नई कॉलोनियों के विकास और जमीन को निवेश के विकल्प के तौर पर देखने के कारण प्लॉट की मांग बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। खासकर शहर की सीमा से लगे क्षेत्रों में जमीन की खरीद को लेकर गतिविधियां तेज हुई हैं।

बिल्डिंग की खरीदी में 4% इजाफा-प्लॉट के साथ तैयार संपत्तियों की खरीद-बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है। अगस्त में बिल्डिंग की खरीदी करीब 4 प्रतिशत बढ़ी। इससे संकेत मिलता है कि मकान और व्यावसायिक भवनों की मांग भी बाजार में बनी हुई है। हालांकि, बिल्डिंग की खरीद में वृद्धि की रफ्तार प्लॉट की तुलना में कम रही।

कृषि जमीन में भी बढ़ा निवेश-अगस्त में कृषि भूमि की खरीद में करीब 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। शहर से सटे ग्रामीण और विकासशील क्षेत्रों में कृषि जमीन को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है। भविष्य में शहरी विस्तार और विकास की संभावनाओं को देखते हुए कई खरीदार कृषि भूमि को भी निवेश के विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

जमीन में निवेश का बढ़ता रुझान-अगस्त के आंकड़ों से एक बात साफ नजर आती है कि इंदौर के प्रॉपर्टी बाजार में फिलहाल तैयार संपत्तियों की तुलना में जमीन और प्लॉट में निवेश का रुझान ज्यादा मजबूत है। प्लॉट की खरीद में दोहरे अंक की वृद्धि इसका बड़ा संकेत है। हालांकि, पंजीयन की संख्या में तेजी के बावजूद राजस्व लक्ष्य पूरा नहीं हो पाना भी विभाग के लिए अहम पहलू है। आने वाले महीनों में प्रॉपर्टी बाजार की यही रफ्तार बनी रहती है या नहीं, इस पर कारोबारियों और निवेशकों की नजर रहेगी।

5 महीने में हुई 39 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रियां

पांच महीने में 39 हजार से ज्यादा दस्तावेजों का पंजीयन

प्रॉपर्टी बाजार में बढ़ती गतिविधियों का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले पांच महीनों में करीब 39,250 दस्तावेजों का पंजीयन हुआ। इनसे रजिस्ट्रार विभाग को करीब 892.14 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। अधिकारियों के मुताबिक अगस्त में 12 हजार से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन होना बताता है कि शहर में संपत्तियों की खरीद-बिक्री का सिलसिला लगातार जारी है।

केडिया ग्रुप के आनंद केडिया बंगला बचाने में जुटे, हाईकोर्ट भी बोला- क्लीन हैंड नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देश की टॉप टेन शराब कंपनियों में से एक के मालिक आनंद कुमार केडिया का इंदौर स्थित बंगला खतरे में है। बंगला परिसर में सरकारी जमीन आ गई है। कलेक्टर और निगमायुक्त को पार्टी बनाते हुए केडिया हाईकोर्ट गए, लेकिन वहां पाया गया कि केडिया के हैंड क्लीन नहीं है।

देश के जाने-माने शराब कारोबारी केडिया का ग्रुप एसोसिएटेड एल्कोहल एंड ब्रेवरेज लिमिटेड है। प्रमोटर आनंद केडिया और प्रसन्ना केडिया हैं। केडिया ग्रुप की एक और कंपनी ग्रेट गेलियन लिमिटेड है, जिसे विनय और रतन केडिया संभालते हैं। आनंद केडिया अप्रैल महीने से अपने बंगले को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका बिचौली हप्सी इलाके में 1.452 हेक्टेयर जमीन पर करोड़ों रुपए

की कीमत का बंगला बना हुआ है। विवाद यह है कि इसी जमीन के कुछ हिस्से में सरकारी जमीन भी शामिल बताई जा रही है। अब पूरा मामला इसी जमीन को लेकर चल रहा है।

कहां से शुरु हुआ विवाद-इंदौर नगर निगम होटल प्राइड से सिटी फॉरेस्ट होते हुए लाइट हाउस प्रोजेक्ट तक 2.40 किलोमीटर लंबी मास्टर प्लान टोड बना रहा है। यह रोड 30 मीटर चौड़ी होगी। रोड की सेंट्रल लाइन से नपती की गई तो इसमें आनंद केडिया का बंगला आ गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।